राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 21 अगस्त 2024 वर्ष–7,अंक–208 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राजस्थान में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल.....मरीज परेशान

जयपुर । कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के विरोध में राजस्थान में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी है। भीलवाड़ा में रेजिडेंट डॉक्टरों ने ओपीडी में नुक्कड़ नाटक किया। कोटा में हड़ताल के चलते 50 से ज्यादा ऑपरेशन टाल दिए गए। वहीं बाड़मेर में रेजिडेंट्स ने हवन किया। रेजिडेंट्स की हड़ताल के चलते ओपीडी आधी ही रह गई है। मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है।

कोटा में अस्पतालों की ओपीडी 50 फीसदी रह गई

कोटा में रेजिडेंट डॉक्टर कार्य बहिष्कार पर है। यहां मेडिकल कॉलेज से संबंधित सभी सरकारी हॉस्पिटल में 50 से ज्यादा रूटीन ऑपरेशन टाल दिए गए हैं। 750 बेड के एमबीएस हॉस्पिटल की ओपीडी में सामान्य दिनों में 3000 तक मरीज आते हैं। हड़ताल के चलते यह 800 से 1000 के बीच रह गई है। वहीं 492 बेड के न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की ओपीडी सामान्य दिनों में जहां 4000 तक रहती थी, वहां अब ओपीडी 1000 से 1200 के बीच ही रह गई है। रेजिडेंट डॉक्टर की हड़ताल के चलते सरकारी हॉस्पिटल में मरीज में कम ही आ रहे हैं। हॉस्पिटल में लाइफ सेविंग ऑपरेशन ही किए जा रहे हैं। इसमें सिजेरियन ऑपरेशन शामिल है। वहीं रूटीन ऑपरेशन वाले मरीजों को आगे की तारीख दी जा रही है।

बबीता के खिलाफ चुनाव लड़ सकती हैं विनेश

राजनीतिक दल मनाने की कोशिश कर रहे

नई दिल्ली । रेसलर विनेश फोगाट अपनी चचेरी बहन बबीता फोगाट के खिलाफ हरियाणा विधानसभा के चुनाव लड़ सकती हैं। फोगाट परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि संभावना है कि हरियाणा विधानसभा में विनेश फोगाट बनाम बबीता फोगाट और बजरंग पूनिया बनाम योगेश्वर दत्त मुकाबला देखने को मिले। पेरिस ओलिंपिक में 100 ग्राम ओवर वेट होने के कारण विनेश महिलाओं की फ्री स्टाइल 50 किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीतने का मौका चूक गईं, क्योंकि उन्हें 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने उनका माल्यार्पण किया। बताया जा रहा है कि कुछ राजनीतिक दल उन्हें मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, विनेश किस पार्टी में शामिल होंगी, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न, ट्रैफिक करना पड़ा डायवर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में मंगलवार तड़के भारी बारिश के बाद अनेक जगहों पर पानी भर गया। इससे यातायात जाम हो गया और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश से आश्रम ब्रिज के पास पानी भर गया। कई स्थानों पर जलभराव को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। बता दें कि नांगलोई से टिकरी बॉर्डर की ओर जाने वाले रोहतक रोड पर गड्ढों और जलभराव से यातायात बाधित हुआ है। इसके अलावा पिलर नंबर 510 के पास एक बस खराब हो गई। कनॉट प्लेस आउटर सर्किल, मिंटो रोड, ए प्वाइंट, रोहतक रोड, गीता कॉलोनी में भी रोड डायवर्जन किया है और वैकल्पिक मार्ग खोले गए। मिंटो रोड पर कनॉट प्लेस से आने वाले यातायात को आउटर सर्किल, कनॉट प्लेस, बाराखंभा रोड से रणजीत सिंह फ्लाईओवर होते हुए तुर्कमान गेट, कमला मार्केट की ओर मोड़ा है। मिंटो रोड पर आर/ए कमला मार्केट से आने वाले यातायात को डीडीयू मार्ग से रणजीत सिंह फ्लाईओवर के जरिए से कनॉट प्लेस जा सकते हैं। डब्ल्यू-प्वाइंट-तिलक मार्ग से आने वाले यातायात को आईपी मार्ग पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उसे बहादुरशाह ज़फर मार्ग पर डायवर्ट किया है। दीन दयाल उपाध्याय मार्ग और दिल्ली गेट से आने वाले यातायात को आईपी मार्ग पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और इसे बहादुरशाह जफर मार्ग पर डायवर्ट किया। बहादुरगढ़ से पीरागढ़ी आने वाले यात्रियों से अपील की गई है कि वे पीरागढ़ी पहुंचने के लिए झरोदा-नजफगढ़ मार्ग या यूईआर-II और फिर नजफगढ़-नांगलोई रोड से अपने गंतव्य तक पहुंचे। पीरागढ़ी से आने वाले यात्री बहादुरगढ़ या टिकरी बॉर्डर जाने के लिए आउटर रिंग रोड-जिला केंद्र जनकपुरी-नजफगढ़ रास्ते से जाएं। यात्री आईएसबीटी कश्मीरी गेट की ओर जाने के लिए राजघाट साइड का इस्तेमाल करें।

मलेशिया के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी की तारीफ कर दोस्त और भाई कहा

-संयुक्त प्रेसवार्ता कर दोनों देशों के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की बताईं संभावनाएं

नई दिल्ली । (एजेंसी)

मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर बिन इब्राहिम 3 दिवसीय भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इब्राहिम ने संयुक्त प्रेसवार्ता की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा की। मोदी-इब्राहिम वार्ता का मुख्य फोकस व्यापार और निवेश का विस्तार करना और नए और उभरते क्षेत्रों में सहयोग तलाशना था। पीएम मोदी ने कहा, हमने तय किया है कि भारत-मलेशिया साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में सहयोग की काफी संभावनाएं हैं। वहीं, मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम ने पीएम मोदी को दोस्त और भाई बताया। इसके पहले पीएम इब्राहिम सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे थे। मलेशिया के पीएम के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है। केंद्रीय राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा से भारत-मलेशिया की रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम इब्राहिम ने पीएम मोदी की तारीफ कर कहा, पीएम मोदी मेरे दोस्त हैं। वे मेरे भाई हैं। यह सिर्फ तब नहीं जब मैं प्रधानमंत्री हूं, बल्कि जब मैं कुछ नहीं था, तब भी वे मेरे एक सच्चे मित्र थे। इब्राहिम का कहना था कि कई क्षेत्र हैं जिन्हें हमें एक साथ मिलकर तलाशने की जरूरत है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछले कुछ वर्षों में वहां सहयोग नहीं मिल रहा है। हम दोनों ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करने की आवश्यकता पर चर्चा की। वहीं पीएम मोदी ने मलेशिया को आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन) और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का महत्वपूर्ण भागीदार बताया। हम इसपर सहमत हुए कि भारत और आसियान के बीच मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा समयबद्ध तरीके से पूरी की जानी चाहिए। पीएम का कहना था कि भारत आसियान की केंद्रीयता को प्राथमिकता देता है। मलेशिया विश्वविद्यालय तिरुवल्लुवर चेयर की स्थापना करेगा। मलेशियाई लोगों को उन्नत पाठ्यक्रमों के लिए सैकड़ों आईटीईसी छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएगी। श्रम पर समझौते से ना सिर्फ भारतीयों की भर्ती में सुधार होगा, बल्कि सुरक्षा में भी सुधार होगा। मलेशिया में लगभग 30 लाख भारतीय प्रवासी हमारे देशों के बीच एक जीवंत पुल हैं। हमने रक्षा क्षेत्र में सहयोग के बारे में बात की। आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में हमारे विचार एक जैसे हैं।

पीएम मोदी का कहना था कि

हमने एक डिजिटल काउंसिल और एक स्टार्टअप काउंसिल स्थापित करने का निर्णय लिया है। हमारे आर्थिक सहयोग में ज्यादा संभावनाएं हैं। हमें फिनटेक, रक्षा, एआई और क्वांटम प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाना चाहिए। भारत और मलेशिया अपनी बढ़ी हुई रणनीतिक साझेदारी के 10 साल पूरे कर रहे हैं। दो वर्षों में प्रधानमंत्री इब्राहिम के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया गया।

अजमेर कांड में बड़ा फैसला, 6 आरोपी दोषी करार, 31 साल पहले 100 छात्राओं का हुआ था गैंगरेप

1992 में अजमेर में 100 से अधिक छात्राओं का गैंगरेप कांड।

- आरोपी नग्न तस्वीरों से ब्लैकमेल कर बार-बार रेप करते थे।
- 6 आरोपियों को आजीवन कारावास और 5 लाख जुर्माना।

अजमेर। (एजेंसी)

31 साल पहले अजमेर में 100 छात्राओं के साथ गैंगरेप और ब्लैकमेल कांड हुआ था। मंगलवार को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने 6 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी है। उन पर 5-5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

नफीस चिश्ती, नसीम, सलीम चिश्ती, सोहित गनी, सैयद जमीर हुसैन और इकबाल भाटी को सजा मिली है। यह कांड साल 1992 में हुआ था। इसमें 100 से ज्यादा स्कूल और कॉलेज की छात्राएं पीड़िता थीं। 18 आरोपियों में से 9 को सजा पहले ही दी जा चुकी थी। एक आरोपी दूसरे मामले में जेल में सजा काट रहा है। एक ने आत्महत्या कर ली थी। एक घटना के खुलासे के बाद से फरार है। आज (मंगलवार) 6 को सजा सुना दी है।

100 से ज्यादा लड़कियों को किया ब्लैकमेल

1992 में हुए इस कांड से पूरे देश में हंगामा मच गया था। कॉलेज जाने वाली लड़कियों को ब्लैकमेल कर उनका रेप किया जाता था और उनकी नग्न तस्वीरें खींची जाती थीं। इन्हीं तस्वीरों के जरिए उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था। इस पूरे सेक्स स्कैंडल का मास्टर माइंड तत्कालीन अजमेर

यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फारूक चिश्ती, नफीस चिश्ती और अनवर चिश्ती सहित अन्य आरोपियों ने एक कारोबारी के बेटे को अपनी दोस्ती के जाल फंसाया था। दोस्त बनाकर उसके साथ कुकर्म किया और उसकी तस्वीरें खींचीं। उन तस्वीरों के जरिए उसे ब्लैकमेल करके उसकी गर्लफ्रेंड को पोल्ट्री फॉर्म लेकर पहुंचे। उसके साथ रेप किया।

रील कैमरे से उसकी न्यूड तस्वीरें खींचीं। उस पीड़िता के बाद उसकी सहेलियों को उनके पास लाने के लिए दबाव बनाया। ऐसे उन्होंने एक-एक कर न जाने कितनी लड़कियों से रेप किया और नग्न तस्वीरें उतारीं। इसके बाद सब को ब्लैकमेल कर अलग-अलग जगहों पर बुलाने लगे थे।

केजरीवाल को लग रहे झटके पर झटके, कोर्ट ने फिर बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली।

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को फिर झटका लगा है। आबकारी नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई केस में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 27 अगस्त तक बढ़ा दी है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भूइयां की पीठ के समक्ष जैसे ही सुनवाई शुरू हुई, केजरीवाल के वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उन्हें कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में तीन बार अंतरिम जमानत मिली है और पीएमएलए के तहत मामलों में जमानत दिए जाने के लिए कठोर शर्तें भी लगाई हैं। सिंघवी ने 20 जून को निचली अदालत द्वारा दी नियमित जमानत के साथ ही 10 मई और 12 जुलाई को पारित सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम जमानत आदेशों का हवाला दिया। उन्होंने पीठ को सूचित किया कि दिल्ली हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से निचली अदालत के 20 जून के आदेश पर रोक लगा दी थी। सिंघवी ने दलील दी कि जब केजरीवाल को पीएमएलए के तहत लगाई शर्तों के बावजूद जमानत दी जा सकती है तो उन्हें सीबीआई मामले में नियमित जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि भ्रष्टाचार रोकथाम कानून में वैसे कठोर प्रावधान नहीं हैं जैसे कि धन शोधन रोधी कानून में हैं। सिंघवी ने कहा कि मुझे यह कहना अच्छा नहीं लगता लेकिन मैंने यह बात हर जगह कही है।

यूपीएससी में लेटरल एंट्री से नियुक्ति का आदेश रद्द

-कार्मिक मंत्री ने चेयरमैन को चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

यूपीएससी ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री भर्ती के लिए 45 पोस्ट पर वैकेंसी निकाली थी। इसे अब रद्द कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन को नोटिफिकेशन रद्द करने को कहा। पीएम नरेंद्र मोदी के कहने पर यह फैसला बदला गया है। इस वैकेंसी का राहुल गांधी ने भी विरोध किया था। राहुल ने कहा था- लेटरल एंट्री के जरिए खुलेआम एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग का हक छीना जा रहा है। मोदी सरकार आरएसएस वालों की लोकसेवकों में भर्ती कर रही है। राहुल गांधी को जवाब देते हुए कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को लेटरल एंट्री के जरिए ही 1976 में फाइनेंस सेक्रेटरी, मोंटेक सिंह अहलूवालिया को योजना आयोग का उपाध्यक्ष और सोनिया गांधी को नेशनल एडवाइजरी काउंसिल चीफ बनाया गया। कांग्रेस ने लेटरल एंट्री की शुरुआत की थी। अब पीएम मोदी ने यूपीएससी को नियम बनाने का अधिकार देकर लेटरल एंट्री सिस्टम को व्यवस्थित बनाया है। पहले की सरकारों में लेटरल एंट्री फॉर्मल सिस्टम नहीं था।

कांग्रेस ने आरक्षण छीनने के मंसूबों पर पानी फेरा

केंद्र सरकार के लेटरल एंट्री नोटिफिकेशन को रद्द करने के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया ‘X’ पर लिखा- हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े और कमजोर वर्गों के सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस पार्टी की लड़ाई ने भाजपा के आरक्षण छीनने के मंसूबों पर पानी फेरा है। लेटरल एंट्री पर मोदी सरकार की चिट्ठी ये दर्शाती है कि तानाशाही सत्ता के अहंकार को संविधान की ताक़त ही हरा सकती है।

राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति धनखड़ से मिले गवर्नर आनंद बोस

दिल्ली से लेकर बंगाल पर सियासी पारा चढ़ा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या मामले को लेकर बंगाल सहित पूरे देश में मचे बवाल के बीच राज्य के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के साथ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल की इन मुलाकातों को औपचारिक मुलाकात बताया गया है, लेकिन बंगाल के राजनीतिक हालात और कानून व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर राष्ट्रपति के साथ मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। यह माना जा रहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के दौरान राज्यपाल बोस ने उन्हें आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या और उसके बाद पैदा हुए कानून व्यवस्था के हालात की पूरी स्थिति से अवगत कराया है। इतना ही नहीं राज्यपाल बोस के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात की संभावना है। राज्यपाल बोस केंद्रीय मंत्री शाह से मुलाकात कर उन्हें राज्य के हालात और राज्य में लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था की स्थिति की जानकारी दे सकते हैं। वहीं नड्डा से भी मुलाकात कर बोस उन्हें कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले की पूरी रिपोर्ट दे सकते है। राज्यपाल ने घटना के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज का दौरा कर वहां प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से भी मुलाकात की थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से मुलाकात के दौरान बोस उन्हें राज्य के डॉक्टरों की भावना से भी अवगत कराएंगे। दरअसल, बंगाल में लगातार बिगड़ रहे हालात के मद्देनजर भाजपा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लगातार इस्तीफे की मांग कर रही हैं।

पुलिस ने जो आंसू गैस के गोले छोड़े उसे प्रदर्शनकारियों हाथ से उठाकर उन्हीं पर फेंक दिया

ठाणे में बच्चियों से स्कूल में यौन-शोषण, पुलिस पर पथराव

- भीड़ ने स्कूल में तोडफ़ोड़ की, ट्रेनें रोकीं; आरोपी गिरफ्तार, सरकार ने एसआईटी बनाई

मुंबई। (एजेंसी)

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के बीच ठाणे के बदलापुर में दो बच्चियों से स्कूल में यौन-शोषण का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी सामने आने के बाद गुस्साई भीड़ और पुलिस के बीच मंगलवार को झड़प हुई। भीड़ ने पहले स्कूल में तोडफ़ोड़ की उसके बाद बदलापुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनें रोकीं। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे, जिसके बाद लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। घटना में कई लोग घायल हुए हैं। 23 साल के आरोपी ने 16 अगस्त को स्कूल के बाथरूम में बच्चियों के साथ यौन-शोषण किया था। बच्चियों के पेरेंट्स ने एक दिन बाद एफआईआर दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी अक्षय शिंदे को पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। इलाके की महिला इंस्पेक्टर शुभदा शितोले का ट्रांसफर कर दिया गया है। स्कूल प्रिंसिपल, क्लास टीचर और एक महिला कर्मचारी को निलंबित किया गया है। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने को कहा गया है।

बदलापुर बंद का ऐलान, स्कूल में भी प्रदर्शन हुआ

मंगलवार सुबह 8 बजे घटना से गुस्साए लोग बदलापुर रेलवे स्टेशन की पटरियों पर खड़े होकर प्रदर्शन करने लगे। कई ट्रेनों को रोका गया। पुलिस ने भीड़ में काबू पाने के लिए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। पुलिस पर भी पथराव हुआ है। दूसरी तरफ लोगों ने स्कूल के अंदर घुसकर प्रदर्शन और तोडफ़ोड़ की। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सुबह 9 बजे से शुरू हुए लोगों के विरोध-प्रदर्शन की वजह से कल्याण- बदलापुर लोकल ट्रेन सर्विस ठप पड़ी है। कई संगठनों ने आज विरोध में बदलापुर बंद का ऐलान किया है।

विपक्ष ने कहा- महाराष्ट्र को शर्मसार करने वाली घटना

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दोषियों को जल्द से जल्द सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा- 10 साल पहले दिल्ली में निर्भया कांड हुआ था और दोषियों को सजा मिली थी, लेकिन कितने समय बाद? न्याय में देरी करने वालों को भी दोषी ठहराया जाना चाहिए। इसका राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता ने कहा- यह घटना महाराष्ट्र को शर्मसार करने वाली है। हर कोई मांग कर रहा है कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक पर हो और आरोपियों को तीन महीने के भीतर फांसी दी जाए।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने सोशल मीडिया पर लिखा- बदलापुर के स्कूल में छोटी बच्चियों के साथ हुई घटना स्तब्ध करने वाली है। पुलिस को इसमें केस दर्ज करने में 12 घंटे क्यों लग गए? एक तरफ कानून का राज कहते हैं और दूसरी तरफ पुलिस की ये कैसी ढिलाई? मेरे महाराष्ट्र के सैनिकों ने इस मुद्दे को उठाया है। मैं महाराष्ट्र के सैनिकों से कहना चाहता हूं कि जब तक इस मामले के आरोपियों को कड़ी सजा नहीं मिल जाती, तब तक आप अपना ध्यान इन मामलों पर रखें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामयिकः निरंतरता की ओर भारत

अवधेश कुमार

प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस प्रधानमंत्री के लिए केवल अपने किए गए कार्यों के विवरण के प्रस्तुति का मंच नहीं बल्कि भविष्य के सपने और उसके पूरा करने का आत्मविश्वास दिलाने का सबसे बड़ा अवसर होता है। वास्तव में 78 में स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन से उन्होंने कुल मिलाकर भारत और भारत के बाहर भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि भारत समग्र रूप में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है और इसे निर्धारित समय पर प्राप्त करके रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सभी 11 स्वतंत्रता दिवस संबोधनों को देखें तो आपको उसमें देश को लेकर किसी स्तर पर निराशा या नकारात्मकता की झलक नहीं दिखाई देगी। लाल किला से उन्होंने हमेशा यह ध्यान रखा कि स्वतंत्रता दिवस का संबोधन लोगों के अंदर देश के लिए जिम्मेदारीपूर्वक काम करने और हर परिस्थिति में साहस व संकल्प बनाए रखने की प्रेरणा दें। 15 अगस्त , 2024 के लाल किले के संबोधन पर ही दृष्टि दौड़ाएं तो कहीं भी ऐसा नहीं लगेगा कि प्रधानमंत्री मोदी पर भाजपा के बहुमत से पीछे रह जाने और गठबंधन सरकार की विवशताओं का रंच मात्रा भी प्रभाव है। पूरा भाषण देश को यह विश्वास दिलाने पर केंद्रित रहा कि सरकार भारत को हर दृष्टि से विकसित राष्ट्रों की कतार में खड़ा करने के लिए कमर कसकर काम कर रही है और आम लोगों का भी सहयोग प्राप्त है जिसे और सशक्त करने की जरूरत है। मोदी के आलोचकों की दृष्टि में उनके भाषणों में सपनों और कल्पनाओं का ऐसा भावुक शब्द चित्रण होता है जिसमें लोग मोहित हो जाते हैं। सच यह है कि उसी के आधार पर देश को किसी काम के लिए या स्वयं व्यक्तिगत जीवन में भी सफल होने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस प्रधानमंत्री के लिए केवल अपने किए गए कार्यों के विवरण के प्रस्तुति का मंच नहीं बल्कि भविष्य के सपने और उसके पूरा करने का आत्मविश्वास दिलाने का सबसे बड़ा अवसर होता है। वास्तव में 78 में स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन से उन्होंने कुल मिलाकर भारत और भारत के बाहर भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि भारत समग्र रूप में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है और इसे निर्धारित समय पर प्राप्त कर-के रहेगा। वर्तमान वैश्विक ढांचे में विकसित राष्ट्र की परिभाषा क्या है? अर्थव्यवस्था के वैश्विक मानकों पर खरा उतरना, शिक्षा के क्षेत्र में मूलतः सामान्य, तकनीकी एवं प्रोफेशनल संस्थाओं और उनके प्रदर्शनों को विश्व मानकों के अनुरूप लाना, रक्षा क्षेत्र में न केवल ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर होना बल्कि विश्व बाजार में सामग्रियों के विक्रय की प्रतिस्पर्धा में टिकना, आम लोगों का जीवन स्तर का निर्धारित मानक प्राप्त करना आदि आदि। प्रधानमंत्री के संबोधन का बहुत बड़ा भाग इसी पर केंद्रित था कि कैसे हमने अर्थव्यवस्था को विश्व मानकों के अनुरूप प्रगति के पथ पर लाया है और भारत की गिनती दुनिया की 5 बड़ी

अर्थव्यवस्थाओं में हो रही है जो शीघ्र तीसरे स्थान पर पहुंच जाने वाली है। उन्होंने विश्व भर के निवेशकों को विश्वास दिलाया कि हमने निवेश एवं कारोबार की दृष्टि से आर्थिक, कानूनी, वित्तीय, व्यावसायिक आदि क्षेत्र में सुधार से ऐसे ढांचा निर्मित कर दिए हैं जिसमें आपके लिए परेशानी और जोखिम के लिए जगह न के बराबर है। आगे भी करते रहेंगे। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में उन्होंने स्पष्ट या संकेतों के द्वारा बताया कि कोई भी देश अपनी सभ्यता-संस्कृति और पहचान के साथ विकसित बनेगा तभी वह लंबे समय टिकेगा। इसमें शिक्षा व्यवस्था सबसे महत्तवपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा मोदी सरकार की शिक्षा नीति में का महत्तवपूर्ण स्तंभ है। केवल सामान्य शिक्षा ही नहीं इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन, सूचना तकनीक आदि के लिए भी इसमें स्थानीय भाषाओं में शिक्षा का लक्ष्य है। जो प्रतिभाएं अंग्रेजी न जानने के कारण कुम्हला कर नष्ट हो जाती हैं उनके पूरी संभावनाओं के साथ खिलने का इसमें अवसर है। इसकी उन्होंने पूरी चर्चा की। ध्यान रखिए हमारे स्वतंत्रता आंदोलन का एक बड़ा सपना मातृभाषा के आधार पर शिक्षा एवं भारत का निर्माण था। हालांकि कांग्रेस का मुख्य नेतृत्व कुछ प्रमुख अंग्रेजी पढ़े-लिखे लोगों के हाथों में होने के कारण स्वतंत्रता के बाद यह साकार नहीं हो सका, लेकिन मोदी सरकार नई शिक्षा नीति के साथ धीरे-धीरे पूरे ढांचे में बदलाव की कोशिश कर रही है। जिन लोगों ने शिक्षा नीति पर काम किया है या उसे साकार करने की कोशिशें देख रहे हैं उन्हें विश्वास है कि यद्यपि इस ढांचे में जबरदस्त बाधाएं हैं, लेकिन सफलता मिलेगी। किसी भी समाज और राष्ट्र के संपन्न होने में उसका कानूनी ढांचा और न्याय प्रणाली की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। कानून आपके अनुरूप, आपके समझने लायक और न्याय प्रणाली कम खचीर्ली तथा वास्तविक न्याय दिलाने वाली हो तो वह देश कुंठाओं से ऊपर अपनी कानूनी और न्यायिक समस्याओं का समाधान करते हुए आगे बढ़ता रहता है। प्रधानमंत्री ने इसी संदर्भ में 1400 कानूनों को खत्म करने तथा नई न्याय संहिता की चर्चा की। वैसे अभी इसका असर देखा जाना शेष है। एक बार बदलाव का क्रम बढ़ता है तो सुधार की संभावनाएं पैदा होने लगती है।

भारत जैसे देश में लोगों के लिए समान नागरिक कानून नहीं हो तो न संपूर्ण प्रगतिशील समाज का निर्माण होगा और न एक बहुत बड़ा वर्ग विकास की गाथा में अपनी भूमिका निभा सकेगा। सामान्यता समान नागरिक संहिता या कॉमन सिविल कोर्ड को भाजपा या आरएसएस के एजेंडि के रूप में देखा जाता है। हमारे संविधान निमार्ताओं ने भी पंथ, मजहब, नस्ल से ऊपर उठकर सबके लिए समान समान नागरिक संहिता का लक्ष्य घोषित किया था। वोट की राजनीति या मुस्लिम समुदाय को लेकर आत्मघाती विचारधारा के कारण यह लक्ष्य साकार नहीं हो सका। इसके बगैर आप विश्व में सम्मानित विकसित और भारत को भारत के रूप में प्रभावी देश नहीं बना सकते। इसलिए प्रधानमंत्री ने अब सांप्रदायिक नागरिक कानून से बाहर निकाल कर सेक्यूलर नागरिक कानून की बात की है। जो सबके लिए समान कानून होगा वही सेक्यूलर होगा।

ऐसा नहीं है तो वास्तव में सांप्रदायिक कानून ही है। स्वतंत्रता दिवस संबोधन में इसके उल्लेख और व्याख्या का मतलब है कि प्रधानमंत्री ने देश को स्पष्ट कर दिया है कि हम सब मिलकर इसका मन बनाएं और देश उसकी ओर बढ़े, क्योंकि संपूर्ण समाज की प्रगति और भारत की सुख, शांति समृद्धि के साथ खड़ा होने के रास्ते की बहुत बड़ी बाधा है। यही भारतीय दृष्टि हमारे कृषि क्षेत्र के संदर्भ में भी है। उन्होंने प्राकृतिक खेती पर जोर दिया। इस तरह देखें तो निष्कर्ष आएगा कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन से दिखाए गए सपने और संभावनाएं अगर साकार रूप लेंगे तो भारत आने वाले सैकड़ों वषाड्ड तक सुखी, शांत और समृद्ध राष्ट्र के रूप में विश्व का दिशाझदर्शन करता रहेगा।

संपादकीय

समयानुकूल हस्तक्षेप

देश की सर्वोच्च अदालत ने कोलकाता के आरजी कर मेड़िकल कॉलेज व अस्पताल में हुए कथित बलात्कार व हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। देश के मुख्य न्यायाधीश ड़ीवाई चंद्रचूड़.की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। इस दुखद घटना को लेकर देश भर में आक्रोश है। निजी व सरकारी चिकित्सकों के देशव्यापी हड़ताल व प्रदर्शनों को लेकर स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सुरक्षा उपाय सुझाने के लिए समिति गठित करने का वादा किया गया। दोषियों की कड़ी से कड़ी सजा देने की चौतरफा मांग की जा रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा भी मामले को फास्ट ट्रैक अदालत में ले जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने दोषियों को फांसी दिये जाने की भी बात की। स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान न होने व अपर्याप्त आश्वासनों के चलते नाराज चिकित्सकों ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नये आदेश जारी किए गए। जिनके अनुसार, सभी राज्यों को कानून व्यवस्था की जानकारी गृह मंत्रालय को हर दो घंटे में देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस मामले में लोगों के बढ़ते आक्रोश व मृतका को न्याय दिलाये जाने की पहल है। यदि यह गैंगरेप है तो सभी दोषियों को कठघरे में लाना तथा दोषियों को बचाने वालों का खुलासा होना भी जरूरी है। खबरों के अनुसार अब आशंका व्यक्त की जा रही है कि इस हत्या के पीछे मानव अंगों की तस्करी व सेक्स रैकेट भी हो सकता है। जिस तरह सबूतों से छेड़छाड़.की गई, वह भी संदेहास्पद है। दूसरे बनर्जी द्वारा सीबीआई जांच से पूर्व स्थानीय पुलिस को पांच दिन का वक्त देना भी संदेह से परे नहीं है। यह घटना दिल्ली में हुए निर्भया कांड़ से भी भीषण प्रतीत हो रही है। दोषियों की मंशा और बलात्कारियों-हत्यारों की पहचान बेहद जरूरी है। इन्हें बचाने का प्रयास करने वालों का पदार्फाश तभी मुमकिन है, जबकि निष्पक्ष जांच संभव हो। सबसे बड़ी अदालत का जनहित के मामलात में हस्तक्षेप गंभीर अपराधों पर होने वाली राजनीति पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है। साधारण दर्जी पिता की होनहार बेटी के साथ हुई दरिंदगी का असर देश के उन तमाम पालकों पर पड़.रहा है, जो बच्चियों को पढ़ाने और काबिल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। बेटी को सिर्फ पढ़ाना ही काफी नहीं है, हमें उन्हें सुरक्षा भी देना है, जिसमें हम बुरी तरह असफल हैं।

चिंतन-मनन

नर या नारायण कौन थे राम

श्रीराम पूर्णतः ईश्वर हैं। भगवान हैं। साथ ही पूर्ण मानव भी हैं। उनके लीला चरित्र में जहां एक ओर ईश्वरत्व का वैचित्रमय लीला विन्यास है, वहीं दूसरी ओर मानवता का प्रकाश भी है। विश्वव्यापिनी विशाल यशकीर्ति के साथ सम्यक निरभिमानिता है। वज्रवत न्याय कठोरता के साथ पुष्पवत प्रेमकोमलता है। अनंत कर्ममय जीवन के साथ संपूर्ण वैराग्य और उपरति है। समस्त निषमताओं के साथ नित्य सहज समता है। अनंत वीरता के साथ मनमोहक नित्य सौंदर्य है। इस प्रकार असंख्य परस्पर विरोधी गुणों और भावों का समन्वय है। भगवान श्री राम की लीला चरित्रों का श्रद्धा भक्ति के साथ चिंतन, अध्ययन व विचार करने पर साधारण नर नारी भी सर्वगुण समन्वित एवं सर्वगुण रहित अखिल विश्व व्यापी, सवार्तीत, सर्वमय श्रीराम को अपने निकटस्थ अनुभव कर सकते हैं। श्री राम में नर और नारायण तथा मानव और ईश्वर की दूरी मिटाकर भगवान के नित्य परिपूर्ण स्वरूप का परिचय मिलता है। भगवान पुरुषोत्तम ने श्री राम के रूप में प्रकट होकर मानवीय रूप में सांसारिक लोगों के दिलो दिमाग पर नित्य प्रभुत्व की प्रतिष्ठा कर समस्त भारतीय संस्कृति को आध्यात्म भाव से ओतप्रोत कर दिया है। रामचरितमानस महाकवि तुलसीदास की अमर कृति है। यह एक ऐसा सर्वोपयोगी आदर्श प्रदर्शित करने वाला पवित्र धर्मग्रंथ है। जिसने मयार्दा पुरुषोतम भगवान श्रीराम को समस्त नर नारियों के हृदय में परम देवत्व रूप के साथ अत्यंत आत्मीय रूप में प्रतिष्ठात किया है। इसने शिक्षित अशिक्षित? आबाल वृद्ध शास्त्र पुरुष सभी प्रकार के जीवन को श्रीराम के प्रति भक्ति तथा प्रेम के दिव्य, मधुर सुधारस से अभिषिक्त कर अपना अद्भुत प्रभाव विस्तार किया है। श्रीरामचरितमानस के श्रीराम सर्वसद्गुण संपन्न मयार्दारक्षक परम आदर्श शिरोमणि होने के साथ ही स्वमहिमा में स्थित महामानव है। श्रीरामचरित मानस के श्रवण, मनन तथा चिंतन से अत्यंत विष्यासक्त, असदाचारी कठोर हृदय मानव भी पवित्र विचार परायण एवं सदाचारी होकर निर्मल प्रेम भक्ति की रसधारा में सराबोर होकर मुक्ति प्राप्त कर सकता है। इस ग्रंथ के सभी पात्र आदर्श चरित्र से परिपूर्ण हैं। इसमें गुरु शिष्य, माता पिता, भ्राता पुत्र स्वामी सेवक, प्रेम सेवा, क्षमा, वीरता, दान, त्याग, धर्मनीति आदि संपूर्ण आदर्शों के प्रत्यक्ष दर्शन होते हैं।

लेटरल भर्ती का विरोध देख सरकार ने पीछे खींचे कदम

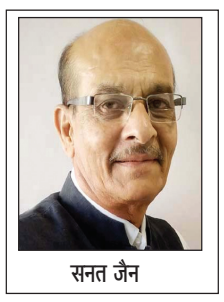

सनत जैन

केंद्र सरकार द्वारा यूपीएससी के पदों पर बिना आरक्षण लैटरल भर्ती 2018 के बाद से लगातार किए जा रही है, लेकिन इस मामले ने 2024 में तूल पकड़ लिया है। 2018 से लेकर अभी तक केंद्र सरकार विभिन्न मंत्रालयों में विशेषज्ञों के नाम पर लैटरल भर्ती समूह में करती चली आ रही है। इस बार केंद्र सरकार द्वारा 45 पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित कराया गया। पिछले 6 वर्षों में लगभग 200 पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं। उसके बाद से आरक्षण मुद्दे पर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। मोदी सरकार द्वारा 2018 के बाद से लैटरल नियुक्तियां समूह में की जा रही हैं। अभी तक यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से इनका चयन होता था। 15-20 वर्ष की सेवा के पश्चात, चयनित अधिकारी उप सचिव, संयुक्त सचिव और सचिव पद पर पहुंचते थे। अब सीधे ही भर्ती विभिन्न मंत्रालयों में उपसचिव, संचालक और संयुक्त सचिव के रूप में की जा रही है। एक तरह से यह नियमों का दुरुपयोग है। संवैधानिक प्रावधानों का पालन भी सरकार नहीं कर रही है। जिसके कारण यह मामला अब तूल पकड़ रहा है। एनडीए के सहयोगी दलों ने भी इस तरह से की जा रही नियुक्तियों का विरोध शुरू कर दिया है। जनता दल यू ने इस तरह की भर्ती पर गंभीर चिंता जताई है। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा है कि इस तरह की नियुक्तियों में आरक्षण का पालन किया जाना चाहिए। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने भी इसे संविधान विरोधी बताते हुए आरक्षण खत्म करने की मांग की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है, सरकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा से जुड़े हुए लोगों को प्रमुख पदों पर सीधे नियुक्त कर रही है। इस तरह की नियुक्तियों से दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के हितों का नुकसान हो रहा है। संविधान में जिस तरह से कार्यपालिका में अधिकारियों का चयन किया जाना है, उसका पालन भी सरकार नहीं कर रही है। सरकार में पूंजीपतियों का सीधा हस्तक्षेप बढ़ रहा है। लैटरल नियुक्तियों में उन लोगों की भर्ती हो रही है, जो कारपोरेट जगत से हैं। वे सीधे सरकारी सेवा के महत्वपूर्ण पदों पर आ रहे हैं। इनकी नियुक्ति विशिष्ट तरीके से की जा रही है। कांटेक्ट पर नियुक्ति होने के कारण यह कभी भी छोड़ कर जा सकते हैं। इन पर जिम्मेदारी भी तय नहीं की जा सकती है। सेबी में माधवी बुच को पहले डायरेक्टर और फिर अध्यक्ष बनाने का मामला भी विवादों में आ गया है। जो खुलासे हुए हैं, वह बड़े आश्चर्यचकित करने वाले हैं। सरकार के ऊपर यह आरोप लग रहा है कि औद्योगिक समूहों के अधिकारियों को पिछले दरवाजे से सरकारी पदों पर नियुक्ति की जा रही है। यह अधिकारी औद्योगिक समूह के हित में नीतियां बनाते हैं। संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन हो रहा है। सरकार जब किसी निर्णय में फंसने लगती है तो इस स्थिति में सरकार कांग्रेस के ऊपर ठीकरा फोड़कर बचने का रास्ता बनाती है। सरकार की ओर से यही प्रयास किया गया है। इस तरह की नियुक्तियां 50 वर्षों से हो रही हैं। 1976 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लैटरल एंट्री के माध्यम से वित्त सचिव बनाया गया था। राजीव गांधी की सरकार ने सेम पित्रोदा को नॉलेज कमीशन का अध्यक्ष बनाया था। विमल जालान को मुख्य आर्थिक सलाहकार रिजर्व बैंक बनाया गया था। 2009 में कौशिक बसु को केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया था। रघुराम राजन को भी वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया था। मोंटेक सिंह अहलुवालिया 2004 से 2014 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष पद पर रहे। 2009 में नंदन नीलकेणी को भी यूआइडीएआइ का मुखिया बनाया गया था। पिछले 50 वर्षों में केंद्र सरकार में विशेषज्ञ के रूप में जिन लोगों की नियुक्ति हुई थी, उनकी संख्या वर्तमान की तुलना में बहुत कम है। वित्त और तकनीकी के जानकार उस समय देश में बहुत कम विशेषज्ञ थे। जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानकारी और विशेषज्ञता रखते थे। पिछले 6 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा उप सचिव, सचिव और संचालक स्तर पर जो नियुक्तियां की जा रही हैं। उसमें हमेशा से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी या भारतीय सेवा के अधिकारी ही नियुक्त किए जाते थे। लैटरल भरती का मुद्दा अब गरमा गया है। इसे उच्च पदों पर आरक्षण खत्म करने से लेकर जोड़ा जा रहा है। सरकार ने अपनी जिद नहीं छोड़ी, ऐसी स्थिति में एनडीए सरकार में दरार पड़ सकती है। केंद्र सरकार पहले ही जाति आरक्षण और संविधान को खत्म करने के आरोप में बुरी तरह से घिरी हुई है। बजट सत्र में भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वित्त मंत्रालय में अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर वित्त मंत्री को सदन के अंदर घेरा था। इस बार केंद्र में गठबंधन की सरकार है। आरक्षण जैसे संवेदनशील मसले पर यदि उसके सहयोगी दल उसका साथ नहीं देंगे, तो सरकार के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है। सरकार के अस्तित्व पर भी संकट आ सकता है। जिसके कारण देश में राजनीतिक हलचल बड़ी तेजी के साथ बढ़ गई है। लगातार हुए विरोध का नतीजा ही कहेंगे कि अब केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री को लेकर अपने कदम वापस पीछे खींच लिए हैं। दरअसल लेटरल भर्ती मामले को लेकर मचे राजनीतिक बवाल के बीच में ही कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उल्लेख करते हुए संघ लोक सेवा आयोग को एक पत्र लिखा है। इस पत्र के माध्यम से मंत्री ने संघ लोक सेवा आयोग से लेटरल एंट्री के आधार पर निकाली गई भर्तियों को वापस लेने के लिए कहा है। इसमें उल्लेख किया गया है कि चूंकि लेटरल एंट्री के आधार पर निकाली गई भर्तियों में आरक्षण का प्रावधान नहीं किया गया है, इसलिए इसे ध्यान में रखते हुए इसे वापस ले लिया जाए। इससे यह तो स्पष्ट है कि गठबंधन वाली यह सरकार ज्यादा विरोध बर्दाश्त नहीं कर सकती है, यदि ऐसा हुआ तो कुर्सी जाने का खतरा सदा बना रहेगा। ऐसे में अपने कदम वापस ले सरकार ने लोगों की नाराजगी से बचने का काम किया है।

बलात्कार की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक

मुस्ताअली बोहरा

ये कैसा विकसित भारत.....

ये कैसी विडम्बना है कि जहां एक तरफ लाल किले की प्राचीर से देश में न्यायिक सुधार, 2047 में विकसित भारत और महिलाओं के खिलाफ अपराध में सजा की बात की जा रही थी तो दूसरी तरफ देश की बेटियां न्याय की मांग करते हुए आंदोलन कर रहीं थी। जश्न-ए-आजादी के बीच महिलाओं का ये आंदोलन कई सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर कब तक इसी तरह बलात्कार होते रहेंगे, कब तक ऐसे दरिंदे खुलेआम घूमते रहेंगे, कब तक महिला सुरक्षा को लेकर जबानी जमा खर्च होता रहेगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में लेडी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी ने हर किसी झकझोर दिया है। इसको लेकर देश भर गुस्सा है। विपक्ष से लेकर सेलिब्रिटीज, राजनेता और आम आदमी हर किसी के जहन में यही सवाल है कि आखिर आजादी के इतने बरसों बाद भी महिलाएं सुरक्षित और आजाद क्यों नहीं हैं। कोलकाता के रेप-मर्डर मामले की जांच अब सीबीआई के हाथों में है। आपराधिक आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि देश में बलात्कार चैथा सबसे आम अपराध है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2019 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार देश भर में 32033 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे या ये भी कहा जा सकता है कि हर रोज औसतन 88 मामले दर्ज

हुए। इसके अलावा नाबालिगों के साथ उत्पीड़न और बलात्कार की घटनाएं भी सामने आतीं रहतीं हैं। ब्यूरो की इन आंकड़ों से जाहिर है बलात्कार की घटनाएं कम नहीं हुईं हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में भी बलात्कार की घटनाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं।

खैर, कोलकाता की घटना के बाद एक फिर डॉक्टर आंदोलित हैं और हड़ताल पर चले गए हैं। इन डॉक्टरो को देश के अन्य राज्यों के डॉक्टरो का भी समर्थन मिल रहा है। कोलकाता में डॉक्टरों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रहीं हैं। डॉक्टरो का कहना है कि उन्हें माकूल सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाए। सभी अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। मृतक डॉक्टर के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और इस मामले में जल्द से जल्द न्याय हो। हड़ताली डॉक्टरों की एक प्रमुख मांग यह है कि हेल्थकेयर वर्कर्स की सुरक्षा के लिए देश में एक नया केंद्रीय कानून या सेंट्रल हेल्थकेयर प्रोटेक्शन एक्ट बनाया जाए। साथ ही इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सख्त कदम उठाए जाने की बात कही है। देश भर के डॉक्टर कोलकाता के डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं। डॉक्टरो की चिंता बेवजह नहीं है। हालांकि, जहां तक केंद्रीय कानून की मांग है तो पहले ये देखना होगा कि क्या बलात्कार की इस तरह की घटनाओं के पीछे कानून का कमजोर होना है या फिर किसी कड़े कानून की कमी इसकी वजह है। वैसे, ज्यादातर राज्यों में मेडिकेयर सर्विस पर्सन एंड मेडिकेयर सर्विस इंस्टिट्यूशंस (प्रिवेंशन ऑफ वॉयलेंस एंड डैमेज-लॉस टु प्रॉपर्टी) एक्ट पहले से ही लागू है। मगर इन राज्यों में भी इसके तहत दर्ज मामलों में दस फीसदी ही आरोप तय होने के बाद अदालत पहुंच सके। तो ये माना जा सकता है कि असल समस्या कानून की कमी नहीं बल्कि उस पर सख्ती से अमल है। बहरहाल, अस्पताल में लेडी डॉक्टर ही नहीं बल्कि पुरुष डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ और दिगर स्वास्थ्य कर्मी भी हमलों का शिकार होते रहते हैं। बात सिर्फ यहीं तक नहीं हैं अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा भी बड़ा मसला है। अस्पतालों में भर्ती महिला मरीजों भी यौन हमलों की खबरें आतीं रहतीं हैं। देश में शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों को लेकर व्यापक जरूरी कदम उठाए जाने की जरूरत है। मंहगी शिक्षा और मंहगी दवाएं तथा अस्पतालों में इलाज और जांच के नाम पर होने वाला खर्च भी चर्चा का विषय है। कतिपय अस्पतालों में मेडिसिन और सर्जिकल आइटम की सप्लाई के गोरखधंधे, कमीशनखोरी, और इससे जुड़े रैकेट के सक्रिय होने की बात तो सब जानते हैं लेकिन कोलकाता के इस मामले में सेक्स रैकेट और ड्रग्स का एंगल भी सामने आया है। बहरहाल, सीबीआई जांच के बाद और भी चैकाने वाले खुलासे हो सकते हैं लेकिन इस मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। डॉक्टरो पर हमलों के साथ ही मरीजों पर भी वित्तीय हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाया जाना जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

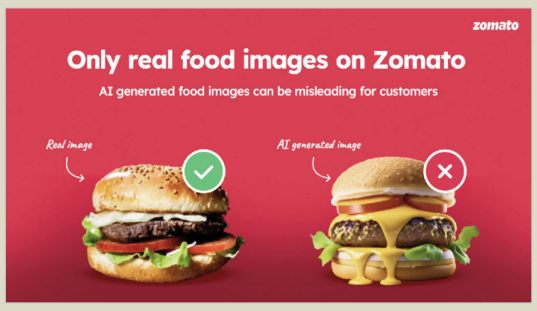

जोमैटो ने एआई जनरेटेड खाने की तस्वीरों को हटाया, लोग कर रहे तारीफ

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड एप जोमैटो पर अब रेस्टोरेंट एआई से बनाई खाने की तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। जोमैटो के फाउंडर दीपिंदर गोयल ने ऐलान किया है कि वह जोमैटो के प्लेटफॉर्म से एआई जनरेटेड खाने की तस्वीरों को हटा रहे हैं साथ ही उन्होंने अपने फूड पार्टनर्स से एआई तस्वीरों का इस्तेमाल बंद करने को भी कहा है। गोयल ने इसकी जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर दी। गोयल ने मिक्रोब्लॉग्गिंग साइट एक्स पर लिखा-ज़ोमैटो में, हम अपने वर्कफ्लो को अच्छा बनाने के लिए एआई के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं। एक जगह जहां हम एआई के इस्तेमाल को दृढ़ता से हतोत्साहित करते हैं, वह है रेस्तराँ के मेनू में व्यंजनों के लिए तस्वीरें। एआई द्वारा उत्पन्न भोजन की तस्वीरें भ्रामक हैं और हमें इस मुद्दे पर कई ग्राहकों की शिकायतें मिली हैं। ग्राहकों का कहना है कि इससे विश्वास कमजोर होता है और इससे ज्यादा शिकायतें और रिफंड मिलते हैं और रेटिंग भी कम होती है। हम अपने रेस्तरां भागीदारों से आग्रह करते हैं कि वे अब से रेस्तरां के मेनू में व्यंजन छवियों के लिए एआई का उपयोग करने से बचें। हम इस महीने के अंत तक सक्रिय रूप से मेनू से ऐसी छवियों को हटाना शुरू कर देंगे और एआई द्वारा उत्पन्न व्यंजन छवियों को स्वीकार करना बंद कर देंगे। दीपिंदर आगे लिखा-रेस्टोरेंट मालिक अगर आपने अभी तक अपने मेनू के लिए असली खाने के शॉट्स अपलोड नहीं किए हैं, तो फोटो शूट शेड्यूल करने के लिए कैटलॉग सहायता टीम से संपर्क करें। दीपिंदर गोयल के इस कदम की लोग सराहना कर रहे हैं।

हवाई यात्रा करना अब और भी हुआ महंगा!

नई दिल्ली । आगामी त्योहार में अब हवाई यात्रा करना और भी महंगा हो जाएगा। बताया जा रहा है कि हवाई यात्रा के किराए में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और दिवाली के लिए प्रमुख घरेलू मार्गों पर औसत एकतरफा टिकट की कीमत 10-15 प्रतिशत बढ़ चुकी है। दूसरी ओर ओणम के दौरान केरल के शहरों के लिए कुछ उड़ानों का किराया 20-25 प्रतिशत अधिक है। जानकारी अनुसार, मुंबई-हैदराबाद मार्ग पर टिकट की कीमत 21 प्रतिशत बढ़कर 5,162 रुपये और दिल्ली-गोवा और दिल्ली-अहमदाबाद मार्गों पर 19 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 5,999 रुपये और 4,930 रुपये हो गई है। विश्लेषण में यह सामने आया कि कुछ दूसरे मार्गों पर किराया 1-16 प्रतिशत की सीमा में अधिक है। वहीं केरल में आगामी त्योहार के लिए चुनिंदा रूट्स पर हवाई किराए के रुझानों के विश्लेषण से पता चला है कि कुछ रूट्स पर कीमतों में 1 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की सीमा में वृद्धि हुई है। इसी दौरान कुछ मार्गों पर टिकट की कीमतों में लगभग 6-35 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये आंकड़े इस साल 6-15 सितंबर की अवधि के दौरान डिपार्चर के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स के लिए औसत एकतरफा किराया हैं, जबकि 20-29 अगस्त, 2023 की अवधि में ओणम मनाया गया था। इस तुलनात्मक अवधि के लिए हैदराबाद-तिरुवनंतपुरम फ्लाइट के लिए किराए में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 4,102 रुपये है। मुंबई-कालीकट फ्लाइट के लिए भी इसी तरह की वृद्धि हुई है, जो 4,448 रुपये है।

20 लाख रुपए तक के गिफ्ट पर अब नहीं लगेगा टैक्स!

मुंबई ।

इनकम टैक्स से जुड़े एक मामले में आईटीएटी (इनकम टैक्स अपीलीयेट ट्रिब्यूनल) की मुंबई बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि विदेश में रह रहे एनआरआई भाई से मिलने वाली 20 लाख रुपये की रो शि पर किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं लगेगा। यह निर्णय इस बात पर जोर देता है कि भारतीय टैक्स कानून कुछ करदाताओं को अपने रिश्तेदारों से मिलने वाले गिफ्ट पर टैक्स को लेकर छूट देते हैं। हालांकि, अभी तक इनकम टैक्स कानून के तहत किसी रिश्तेदार से मिलने वाले 50,000 रुपये से ज्यादा के गिफ्ट को इनकम फ्रॉम अदर सोर्स माना जाता है और इस पर लागू आयकर की निर्धारित दरों के अनुसार टैक्स कटता है लेकिन कई मामलों में इस पर टैक्स से छूट मिलती है। इनमें नजदीकी रिश्तेदार से मिलने वाले गिफ्ट, शादी में मिलने वाले तोहफे और विरासत में मिलने वाली संपत्ति शामिल है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 56 (2) (एक्स) में भाई से मिलने वाले गिफ्ट पर टैक्स में छूट मिलती है। आयकर अपीलीयेट ट्रिब्यूनल ने यह निर्णय सलाम नाम के एक व्यक्ति के मामले में दिया, जिसे अपने भाई से गिफ्ट मिला था

लेकिन इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी ने शुरुआत में इस तोहफे को टैक्सेबल इनकम के तौर पर माना था। इस मामले में इनकम टैक्स कमिश्नर ने भी अधिकारी के फैसले को सही ठहराया और कहा कि टैक्सपेयर यह साबित करने में नाकामयाब रहा कि गिफ्ट के तौर उसे यह पैसा अपने भाई से मिला। इस मामले को लेकर याचिकाकर्ता आईटीएटी के पास पहुंचा, जहां सबूतों के साथ यह साबित किया गया कि उसका भाई, 25 साल से दुबई में रह रहा है और वहां बिजनेस कर रहा है। उसकी ओर से मिली 20 लाख रुपये की यह रकम तोहफे के तौर पर उसे भेजी गई है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.87 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में आज रुपया 83.86 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंचा हालांकि फिर 83.87 प्रति डॉलर पर आ गया जो उसके पिछले बंद भाव के बराबर है। वहीं गत दिवस रुपया 83.87 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ ही 101.82 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहाकि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी के बाद भी विदेशी पूंजी की निकासी का दबाव भारतीय मुद्रा पर पड़ा पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने गिरावट रोके रखी। इसकी गिरावट को रोका।

एलआईसी ने हिंदुस्तान कॉपर में घटाई हिस्सेदारी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने खुले बाजार में हिंदुस्तान कॉपर में 2.09 प्रतिशत हिस्सेदारी 447 करोड़ रुपए में बेच दी है। एलआईसी ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। उसने हिंदुस्तान कॉपर के कुल 2,01,62,682 शेयर यानी 2.085 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में लेनदेन के जरिये बेची है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों को 221.64 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर बेचा गया। इस तरह सौदे का कुल मूल्य 446.8 करोड़ रुपए रहा। हिस्सेदारी बिक्री के बाद हिंदुस्तान कॉपर में एलआईसी की हिस्सेदारी 8.17 प्रतिशत से घटकर 6.09 प्रतिशत रह गई है। हिंदुस्तान कॉपर देश में तांबा अयस्क के खनन में लगी इकलौती कंपनी है। इसके अलावा यह परिष्कृत तांबे की एकमात्र उत्पादक कंपनी भी है। मंगलवार को बीएसई पर हिंदुस्तान कॉपर का शेयर 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ 320.10 रुपए पर आ गया। एलआईसी का शेयर 0.39 फीसदी की तेजी के साथ 1076.10 रुपए पर है। सोमवार को हिंदुस्तान कॉपर का शेयर बीएसई पर 3.06 फीसदी तेजी के साथ 323.55 रुपए पर बंद हुआ। इस वैल्यू पर इसका मार्केट प्राइस 31,288.06 करोड़ रुपए है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 415.60 रुपए और न्यूनतम स्तर 135.70 रुपए है। दूसरी ओर एलआईसी का शेयर 1.34 फीसदी तेजी के साथ 1071.95 रुपए पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,221.50 रुपये और न्यूनतम स्तर 597.65 रुपए है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 378 , निफ्टी 126 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग, वित्त और वाहन शेयरों में जमकर खरीदारी हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 378.18 अंक करीब 0.47 फीसदी बढ़कर 80,802.86 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.20 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी ऊपर आकर 24,698.85 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 24 शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। इसमें बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनैंस और कोटक बैंक शामिल रहे। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, एनटीपीसी, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, एसबीआई, टीसीएस, रिलायंस, एलएंडटी, इंफोसिस, मारुति, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एचयूएल, एमएंडएम, पावर ग्रिड और टाटा स्टील के शेयर भी बढ़े।

दूसरी ओर सेंसेक्स के केवल 6 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें भारती एयरटेल, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल थे। इसके अलावा, टाटा मोटर्स के शेयर भी नीये आये।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी बाजार में मंदी की आशंका कम होने से भी घरेलू बाजार में उछाल आया है।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल और टोक्यो बढ़त पर बंद हुए जबकि शंघाई और हांगकांग के शेयर नीचे आये। यूरोपीय बाजार में बढ़त दर्ज की गयी। अमेरिकी

बाजार गत दिवस बढ़त पर रहे। वहीं गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 297.86 अंक बढ़कर 80,722.54 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 50 76.25 अंक बढ़कर 24,648.90 के स्तर पर पहुंच गया। एनएसई की कंपनियों में बीपीसीएल, टीसीएस, हीरो मोटोक्रॉप, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे जबकि ओएनजीसी, भारती एयरटेल, सीआईपीएलए, एचसीएल टेक और आईटीसी एनएसई गिरावट में कारोबार कर रहे थे। बीएसई की कंपनियों में टीसीएस के शेयर में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

कंपनी के ऐलान के बाद सीडीएसएल शेयर तूफानी रफ्तार से दौड़ा, छह फीसदी का उछाल

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में सप्ताह के पहले दिन उतार-चढ़ाव देखने को मिला और मार्केट क्लोज होने पर सेनसेक्स लाल निशान पर, निफ्टी-50 हरे निशान पर बंद हुआ। इस बीच सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड का शेयर तूफानी तेजी के साथ भागा और कारोबार के दौरान छह फीसदी तक उछल गया। स्टॉक में आई तेजी के पीछे कंपनी की ओर से किया गया ऐलान है। सीडीएसएल शेयर सोमवार को हरे निशान पर खुला था और 2855 रुपए के स्तर से कारोबार शुरू किया था, लेकिन कुछ ही देर में ये छह फीसदी तक उछलकर 2955 रुपए के हाई लेवल पर पहुंच गया। ये शुरुआती तेजी मार्केट में कारोबार खत्म होते-होते कम हो गई। बाजार बंद होने पर सीडीएसएल का शेयर 3.40 फीसदी की बढ़त लेते हुए 2883 रुपए पर क्लोज हुआ। कंपनी के शेयर में आई जोरदार तेजी के चलते सीडीएसएल का मार्केट कैप भी बढ़कर 30130 करोड़ रुपए हो गया है। इस स्टॉक में अचानक ये जोरदार तेजी कंपनी की ओर से आई एक खबर के बाद देखने को मिली है। बोर्ड ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी शेयर की कि निवेशकों को एक पर एक शेयर बोनस में दिया जाएगा। इसे अप्रूवल मिलने के साथ ही बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड 24 अगस्त तय की गई है। इस खबर का असर कंपनी के शेयर पर तेजी के रूप में दिखाई दिया। सीडीएसएल के शेयर की बीते एक साल की परफॉर्मेंस पर नजर डालें, तो ये अपने निवेशकों के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ है। बीते जुलाई 2024 में सीडीएसएल के बोर्ड ने बैठक में कंपनी ने पहली बार एक शेयर पर

एक बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और अब इसकी रिकॉर्ड डेट फिक्स कर दी गई है। बता दें, कंपनियां अपने फ्री रिजर्व का इस्तेमाल करते हुए बोनस शेयर जारी करती हैं और इससे प्रति शेयर आय यानी ईपीएस के साथ-साथ पेड-अप कैपिटल बढ़ता है। सीडीएसएल कंपनी की स्थापना साल 1999 में की गई थी, जो सिक्योरिटीज को इलेक्ट्रिक फॉर्म में अपने पास डिपॉजिट करती है। ये पहली ऐसी कंपनी है, जिसने दस करोड़ डेमट अकाउंट रजिस्टर किए हैं।

वेदांता ने हिंदुस्तान जिंक के ओएफएस से जुटाए 3200 करोड़

नई दिल्ली ।

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अपनी सब्सिडियरी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) के शेयरों की बिक्री पेशकश से करीब 3,200 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। सूत्रों ने कहा कि वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) को खुदरा एवं संस्थागत निवेशकों से जोरदार प्रतिक्रिया मिली है। सूत्रों ने कहा कि इस बिक्री पेशकश से वेदांता को करीब 3,200 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। वेदांता ओएफएस से जुटाई गई राशि का उपयोग अपने बही-खाते को दुरुस्त करने और अपनी विस्तार परियोजनाओं में निवेश के लिए करेगी। पिछले महीने पात्र संस्थागत आवंटन से जुटाई गई 8,500 करोड़ रुपये की राशि को मिलाकर वेदांता समूह और एचजेडएल दोनों का कर्ज कम करने में मदद मिलेगी। खुदरा निवेशकों के लिए आधार निर्गम आकार 51.44 लाख शेयरों का था जबकि कुल 93.82 लाख शेयरों की खरीद हुई। सूत्रों के मुताबिक संस्थागत निवेशकों के लिए 4.62 करोड़ शेयर निर्धारित किए गए थे जबकि कुल संस्थागत खरीद 6.36 करोड़ शेयरों की हुई। वेदांता ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि 16-19 अगस्त तक चली ओएफएस प्रक्रिया के बाद हिंदुस्तान जिंक में वेदांता की शेयरधारिता 63.42 प्रतिशत रह गई है।

सेबी के लिए चुनौती बना 76 हजार 293 करोड़ बकाया वसूलना

- पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ी रकम

नई दिल्ली ।

देश के शेयर बाजार पर नजर रखने वाली संस्था भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को बकाया वसूलने में बड़ी के ठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। 76,000 करोड़ से भी अधिक की बकाया राशि ऐसी हैं, जिन्हें वसूलना सेबी के लिए चुनौती बन गया है। यह रकम पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ गई है। ये पैसे दरअसल उन निवेशकों के हैं, जिन्होंने पीएसीएल और सहारा इंडिया जैसी कंपनियों में निवेश किया था लेकिन ये कंपनियां लोगों के पैसे लेकर रफू चक्कर हो गईं। अब सेबी को इन पैसों को निवेशकों को वापस दिलाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सेबी को कहना पड़ा है कि इन्हें वापस पाना लगभग असंभव सा लग रहा है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी को मार्च 2024 तक 76,293 करोड़ रुपये की ऐसी रकम मिली है, जिसे वसूलना बेहद मुश्किल हो रहा है। ये रकम पिछले साल के मुकाबले 4 फीसदी ज्यादा है। इस रकम का बड़ा हिस्सा उन मामलों से जुड़ा है, जिनकी सुनवाई अदालतों में चल रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसे कुल 807 मामले हैं, जिनमें से 36 मामले राज्य स्तरीय अदालतों, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में लंबित हैं। इन मामलों में अटकी हुई रो शि लगभग 12,199 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा 60 मामले अदालत द्वारा नियुक्त समितियों के पास हैं, जिनमें करीब 59,970 करोड़ रुपये अटके हुए हैं। साथ ही लगभग 140 मामले ऐसे हैं, जिनमें संबंधित लोगों का पता ही नहीं चल पा रहा है। इनमें से 131 व्यक्तिगत मामले हैं और 9 कंपनियों से जुड़े हैं। सेबी ने कहा कि अब तक कुल 6,781 रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं, जिनमें से 3,871 अभी भी लंबित हैं। कुल मिलाकर सेबी को करीब एक लाख करोड़ रुपये वसूल करने हैं। इसमें जुर्माना न भरने वाली कंपनियों के साथ-साथ उन निवेशकों का पैसा भी शामिल है, जिन्हें पैसा वापस मिलना था। पीएसीएल और सहारा इंडिया के मामलों में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों कंपनियों के विरुद्ध निवेश योजना से जुड़े मामले हैं, जिनमें करीब 63,206 करोड़ रुपये अटके हुए हैं।

जुलाई में इलेक्ट्रॉनिक्स, गारमेंट्स और डेयरी उत्पादों निर्यात में वृद्धि हुईः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

भारत से निर्यात में जुलाई में बढ़ोतरी देखी गई है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, मीट, डेयरी और ऑयल मील जैसे सेक्टर निर्यात में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक गुड्स का निर्यात 37.3 प्रतिशत, डेयरी और पोल्ट्री 56.2 प्रतिशत, ऑयल मील 22 प्रतिशत, गारमेंट्स 11.8 प्रतिशत, मसाले 13 प्रतिशत, चाय 21.8 प्रतिशत का निर्यात जुलाई में सालाना आधार पर बढ़ा है। डेयरी और पोल्ट्री प्रोडक्ट्स का निर्यात जुलाई में 56.2 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पिछले महीने इसमें 13.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

हालांकि, कुछ कैटेगरी जैसे हीरे और ज्वेलरी, सिरेमिक और ग्लासवेयर उत्पाद, जैविक और अजैविक केमिकल और चावल के निर्यात में गिरावट हुई है। इसके अलावा अन्य बड़े निर्यात जैसे मानव निर्मित सूत और कपड़े का निर्यात 3.9 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं चमड़ा और उससे बने उत्पाद की कीमतों में नवंबर 2022 के बाद सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर देखने को मिली है। मसाले, चाय और तंबाकू उत्पादों का निर्यात पिछले महीने के मुकाबले बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात शुल्क कम होने के कारण समुद्री उत्पादों का निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। अधिक श्रम उपयोग वाले सेक्टर्स ने जुलाई में लचीलापन दिखाया है। इससे पहले भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया था कि जुलाई में परिधान का निर्यात बढ़कर 1,277.20 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, जो कि पिछले वर्ष समान अवधि में 1,141 मिलियन डॉलर था। वहीं, कपड़ों का निर्यात 1,660.36 मिलियन डॉलर हो गया है, जो कि जुलाई में 1,663.06 मिलियन डॉलर था।

एसबीआई अमृत वृष्टि एफडी पर दे रहा 7.25 फीसदी ब्याज

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक कई विशेष फिक्स्ड डिपॉजिट्स चला रहा है। बैंक की ऐसी ही एक स्पेशल एफडी है एसबीआई अमृत वृष्टि एफडी, इस विशेष एफडी को इस साल ही लॉन्च किया गया था। 444 दिनों की इस एफछी पर आम ग्राहक को बैंक 7.25 फीसदी सालाना ब्याज दे रहा है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को सालाना 7.75 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। एसबीआई अमृत वृष्टि एफडी में निवेश आप घर बैठे भी कर सकते हैं। नेट बैंकिंग और एसबीआई योनो ऐप के जरिए आप यह एफडी खरीद सकते हैं। बैंक ब्रांच जाकर भी इस विशेष एफडी में पैसे लगाने का विकल्प आपके पास है। एसबीआई अमृत वृष्टि एफडी में 31 मार्च 2025 तक निवेश किया जा सकता है। भारतीय स्टेट बैंक कई अवधियों वाली एफडी ग्राहकों को उपलब्ध कराता है। भारत के सबसे बड़े बैंक में आप 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि की एफडी करा सकते हैं। अलग-अलग अवधि वाली एफडी की ब्याज दरें भी भिन्न-भिन्न हैं। एसबीआई 7 से 45 दिन की अवधि वाली एफडी पर 3.50 से 4.00 फीसदी 46 से 179 दिन की एफडी पर 5.50 से 6.00 फीसइही, 180 से 210 दिन पर 6.25 से 6.75 फीसदी और 211 से 1 साल से कम अवधि वाली एफडी पर 6.50 से 7.00 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। 1 साल से लेकर 2 साल से कम वाली एफडी पर 6.80 से 7.30 फीसदी, 2 साल से लेकर 3 साल से कम वाली पर 7.00 से 7.50 फीसदी, 3 साल से लेकर 5 साल से कम अवधि वाली एफडी पर 6.75 से 7.25 फीसदी और 5 साल से 10 साल तक की अवधि वाली एफडी पर 6.50 से 7.50 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। स्पेशल फिक्स डिपॉजिट स्कीम अमृत कलश के तहत सीनियर सिटिजन्स को एफडी पर 7.60 और आम ग्राहकों को 7.10 फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस फिक्स डिपॉजिट स्कीम में 400 दिन के लिए निवेश करना होता है।

2500 से 3500 रुपये क्विंटल तक पहुंचे प्याज के दाम

नई दिल्ली ।

आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले की प्याज मंडी में इस समय प्याज के दाम 2500 रुपये से लेकर 3500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं, जो कि पिछले साल के मुकाबले एक बड़ी वृद्धि है। आंध्र प्रदेश में खुले बाजार में प्याज 50 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि सरकारी रायतू बाजार में प्याज की कीमत 42 से 45 रुपये प्रति किलो के बीच है। इस साल प्याज की कीमतों में वृद्धि पहले ही शुरू हो चुकी है। इस स्थिति का एक बड़ा कारण महाराष्ट्र में प्याज की फसल की खराबी है। बेमौसम बारिश ने महाराष्ट्र की प्याज फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। त्योहारों जैसे रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के पहले प्याज की कीमतें इन दिनों तेजी से बढ़ रही हैं।

कुर्नूल के किसानों के चेहरे पर इन दिनों खुशी की चमक है क्योंकि पिछले साल इसी मंडी में प्याज का भाव मुश्किल से 500 रुपये से 1000 रुपये प्रति क्विंटल

था। तब किसानों को अपनी उपज की लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था और उन्होंने विरोध स्वरूप अपनी प्याज फेंक दी थी। इस बार प्याज के दाम में वृद्धि से किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि त्योहारी सीजन में मांग और बढ़ेगी जिससे प्याज के दाम और चढ़ सकते हैं।

राजनीति में आ सकती हैं विनेश, चचेरी बहन बबीता के खिलाफ लड़ सकती हैं विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान विनेश फोगट के हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। करीबी सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी सामने आई है। हालांकि विनेश ने पहले कहा था कि वह सक्रिय राजनीति में नहीं आएंगी। लेकिन ताजा रिपोर्ट के अनुसार कुछ राजनीतिक दल उन्हें मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की फ्रीस्टाइल 50 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने का मौका विनेश ने गंवा दिया क्योंकि उन्हें 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश का शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी और सोनीपत के उनके गांव बलाली में जोरदार स्वागत किया गया। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने उन्हें माला पहनाई। हालांकि विनेश किस पार्टी में शामिल होने जा रही हैं इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

2024 ओलंपिक फाइनलिस्ट पहलवान की भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर फोगट परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया, 'हां, क्यों नहीं? संभावना है कि हरियाणा विधानसभा में आप विनेश फोगट बनाम बबीता फोगट और बजरंग पुनिया बनाम योगेश्वर दत्त देखें। कुछ राजनीतिक दल उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं।'

विनेश के एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही उनके प्रशंसकों, परिवार और दोस्तों ने उनका जोरदार स्वागत किया, जो सुबह के समय के बावजूद बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे। जबरदस्त समर्थन और स्नेह ने कुश्ती आइकन को भावुक कर दिया। एयरपोर्ट के बाहर लोगों ने जश्न मनाया और उनकी भावनाएं चरम पर थीं। विनेश का स्वागत करने वालों में सबसे पहले साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया शामिल थे जिन्होंने पिछले साल कुश्ती से संन्यास ले लिया था।

विनेश ने शनिवार को कहा था, 'हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है और लड़ाई जारी रहेगी और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि सच्चाई की जीत हो।' शुक्रवार को विनेश ने ओलंपिक पोडियम पर चूकने पर गहरा दुख व्यक्त किया, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत निराशा को भारत में महिलाओं के अधिकारों के लिए व्यापक संघर्ष से जोड़ा, एक ऐसा मुद्दा जिसकी उन्होंने पूर्व कुश्ती महासंघ प्रमुख के खिलाफ अपने विरोध में वकालत की थी।

शुक्रवार रात को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गए तीन पन्नों के पत्र में विनेश ने खेल में संभावित वापसी का संकेत दिया जिससे पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के बाद संन्यास लेने के अपने पहले के फैसले के बावजूद उनके लिए

दरवाजे थोड़े खुले रह गए। टीम के प्रयासों के बावजूद विनेश वजन मापने के लिए समय पर वजन नहीं कर पाई, जिसके कारण उन्हें स्वर्ण पदक मैच से अयोग्य घोषित कर दिया गया। संयुक्त रजत पदक के लिए कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में उनकी अपील बाद में बुधवार को खारिज कर दी गई।

यानिक सिनर और आर्यना सबालेंका को सिनसिनाटी ओपन के खिताब

मेसन (अमेरिका) (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर और महिलाओं में नंबर दो आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में सीधे सेटों में जीत हासिल करके खिताब जीते। यह दोनों खिलाड़ी सिनसिनाटी ओपन में पहली बार चैंपियन बने।

सबालेंका ने जेसिका पेगुला को 6-3, 7-5 से हराकर जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहली बार कोई खिताब जीता। शुक्रवार को अपना 23वां जन्मदिन मनाने वाले सिनर ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को 7-6(4) 6-2 से हराया। वह 2008 में एंडी मरे के बाद सबसे कम उम्र में सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

मरे ने 21 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था। सिनर और टियाफो दोनों पहली बार सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले यहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे दौर में पहुंचना था। यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जाता है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग : स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर, हरमनप्रीत 9वें

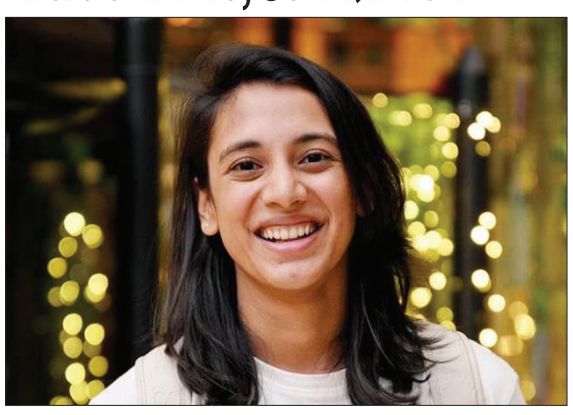

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी महिलाओं की नवीनतम आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) एकदिवसीय रैंकिंग में एक पायदान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। मंधाना के नाम 738 रेटिंग अंक हैं और वह वनडे प्रारूप में भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली बल्लेबाज है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सूची में अपना 9वां स्थान बरकरार रखा है। श्रीलंका की दिग्गज बल्लेबाज चमारी अट्टापट्टू तीसरे से चौथे स्थान पर खिसक गई जबकि टीम की उनकी साथी बल्लेबाज नीलाक्षिका डी सिल्वा (तीन पायदान ऊपर 32वें), हर्षिता समरविक्रमा (8 स्थान के सुधार के साथ 44वें) और कविशा दिलहारी (4 स्थान के सुधार के साथ 50वें पायदान) ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया।

मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपने चौथे स्थान का बचाव करने में सफल रही। समरविक्रमा और आयरलैंड की सलामी बल्लेबाज गैबी लुईस करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे। श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 44 गेंद में 65 रन बनाने वाली समरविक्रमा तीन स्थान के सुधार के साथ 13वें तो वहीं 75 गेंद में 119 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली लुईस 4 स्थान के सुधार के साथ 21 स्थान पर पहुंच गई। लुईस इससे पहले जुलाई 2022 में इस रैंकिंग पर पहुंची थी।

आप मुझे आने वाले मैचों में गेंदबाजी करते हुए देखेंगे: इशांत शर्मा

दुबई (एजेंसी)। नई दिल्ली -पुरानी दिल्ली 6 के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा मैदान पर वापस आने और नई दिल्ली के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में चल रही दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। पुरानी दिल्ली 6 मंगलवार को ईस्ट दिल्ली राइडर्स से भिड़ेगी और बुधवार को वेस्ट दिल्ली लायंस से भिड़ेगी। इशांत ने आखिरी बार आईपीएल 2024 में सफेद गेंद का मैच खेला था, अब डीपीएल में मैदान पर कदम रखने के लिए उत्सुक हैं।

इशांत ने एक बयान में कहा, 'डीपीएल की तैयारी अच्छी रही है। आईपीएल के बाद मुझे अभ्यास के लिए ज्यादा समय नहीं मिला। बस अपनी फ्रेंचाइजी के लिए थोड़ी और तैयारी और मैं डीपीएल में मैदान पर उतरने के लिए तैयार हो जाऊंगा। आप सभी मुझे पुरानी दिल्ली 6 के लिए आने वाले मैचों में गेंदबाजी करते हुए देखेंगे।'

इशांत अपने विशाल अनुभव के जरिए युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। पुरानी दिल्ली 6 के

युवा खिलाड़ी इशांत शर्मा के साथ अपने प्रवास का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। इशांत ने पिछले सप्ताह कहा, 'युवा खिलाड़ियों के लिए मेरा संदेश है कि कड़ी मेहनत करते रहें और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें, यह प्रारूप कठोर हो सकता है, लेकिन अगर आप अपनी क्षमताओं पर भरोसा और कड़ी मेहनत करते हैं तो आप किसी भी प्रारूप में कमाल कर सकते हैं।'

पुरानी दिल्ली 6 के टीम के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, 'इशांत शर्मा पुरानी दिल्ली 6 में अनुभव का खजाना लेकर आए हैं। उनका मार्गदर्शन और सलाह हमारे युवा खिलाड़ियों के लिए अमूल्य है। टीम में उनके जैसा खिलाड़ी होने से पूरी टीम के लिए सीखने की प्रक्रिया में वृद्धि होती है। वह नियमित रूप से प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते हैं और हम सभी उनकी गेंदबाजी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।'

पुरानी दिल्ली 6 टीम

ललित यादव, ईशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छिकारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा, लक्ष्मण।

आरसीबी की तरफ से खेलना चाहते हैं रिंकू

नई दिल्ली। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि अवसर मिलने पर वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से भी खेलना चाहेंगे। रिंकू अभी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल में खेलते हैं। रिंकू के इस बयान से सभी हैरान हैं। रिंकू को आईपीएल में केकेआर की ओर से किये धमाके दार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया में भी जगह मिली है। रिंकू के अनुसार आईपीएल के अगले सत्र में यदि केकेआर की टीम ने उन्हें नहीं रखा तो वह आरसीबी जाकर विराट कोहली के साथ खेलना चाहेंगे। साल 2018 में रिंकू सिंह ने केकेआर की तरफ से आईपीएल में खेला था। आईपीएल ओर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह मिली थी। वहीं दिसंबर 2023 में उनको दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय में डेब्यू का अवसर मिला। रिंकू का करियर संघर्ष भरा रहा। घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन से उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जगह दिलाई, जहां उन्हें 2017 में किंग्स इलेवन पंजाब और बाद में 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने खरीदा। आईपीएल में रिंकू को शुरुआत में अपनी जगह बनाने में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपना ज्यादातर समय बाहर बैठकर बिताया। हालांकि 2022 के सीजन में उनकी किस्मत बदल गई, जहां उन्होंने सात मैचों में 34.80 की औसत और 148.72 की स्ट्राइक रेट से 174 रन बनाए। इस प्रदर्शन ने केकेआर के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का ध्यान खींचा जिन्होंने रिंकू की प्रशंसा की और युवा खिलाड़ी की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की।

अब युवराज की जिंदगी पर बनेगी बायोपिक

नई दिल्ली। 2011 एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह के जीवन पर अब फिल्म बनने जा रही है। स्वयं युवराज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ये जानकारी देते हुए इस फिल्म के निर्माता का आभार जताया है। युवराज पर बन रही इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार-रवि भगचांदका करेंगे। इस फिल्म में युवराज की भूमिका कौन सा कलाकार निभाएगा ये अभी तय नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि रणवीर कपूर से भूमिका निभा सकते हैं। रणबीर ने इससे पहले अभिनेता संजय दत्त की भूमिका भी निभाई थी। फिल्म मे युवराह का क्रिकेट करियर और उसके बाद कैंसर से उनकी जंग भी दिखायी जाएगी। कैंसर के बाद युवराज ने भारतीय टीम में भी वापसी की थी। वहीं लीग क्रिकेट भी खेला। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर भी एक बायोपिक धोनी - द अनटोल्ड स्टोरी बनी थी और उसने सफलता के कई रिकार्ड बनाये थे। उसमें धोनी की भूमिका दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने निभाई थी। ऐसे में माना जा रहा है कि युवराज पर बनी फिल्म भी खासी सफल होगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेल सकते हैं शमी : शाह

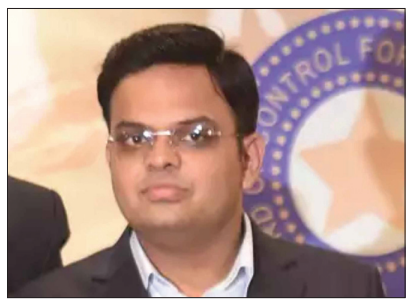

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। शाह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे में हमें शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी की जरुरत पड़ सकती है। भारतीय टीम इस साल के अंत में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। ये दौरा कठिन होने की संभावना है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने अपने तेज गेंदबाजों की फिटनेस बनाये रखने पर ध्यान दिया है। इसी के तहत ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा रहा है। इसके अलावा सर्जरी के बाद उबर रहे शमी पर भी बोर्ड की नजरें लगी हुई हैं। शाह ने कहा, हमारी टीम पहले से ही तैयार है। हमने बुमराह को काफी आराम दिया है। इसके अलावा शमी के भी तब तक पूरी तरह से फिट होने की संभावना है। ऐसे में दौरे पर जाने वाले टीम काफी अनुभवी रहेगी। 2023 आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप के बाद से ही शमी खेल से दूर हैं। टूर्नामेंट के बाद उन्होंने सर्जरी भी कराई थी पर अब वह अभ्यास करने लगे हैं। इसी को लेकर शाह ने कहा, देखिए शमी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर रहेंगे क्योंकि उनको पास काफी ज्यादा अनुभव है। हमें उनकी जरूरत ऑस्ट्रेलिया में जरुरत पड़ेगी। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने बताया कि शमी को अगर रणजी ट्रॉफी में खेलना है तो रणजी में अपनी फिटनेस दिखानी होग।

बुमराह पिछले 5-6 साल में कई प्रारूप में खेलने वाला सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह पिछले पांच या छह वर्षों में कई प्रारूपों में खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। पोंटिंग ने कहा कि बुमराह के लंबे समय तक खेलने को लेकर कुछ चिंताएं हो सकती हैं लेकिन उन्होंने हमेशा चोटों से उबरकर मजबूत वापसी की है। पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यू' पर कहा, 'मैं यह लंबे समय से कहता रहा हूं कि वह पिछले पांच या छह साल से विश्व क्रिकेट में शायद कई प्रारूप में खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।'

उन्होंने कहा, 'कुछ साल पहले जब चोटें लगी तो कुछ डर था कि 'क्या वह पहले जैसा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने वापसी करके वास्तव में बेहतर प्रदर्शन किया है।' ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'इन खिलाड़ियों के बारे में हमेशा सही जानकारी पाने का सबसे अच्छा तरीका (अन्य) खिलाड़ियों से पूछना है। और जब आप विपक्षी बल्लेबाजों से उनके (बुमराह) बारे में बात करते हैं तो हमेशा यही जवाब होता है कि 'नहीं, वह एक बुरा सपना हैं!' आप कभी नहीं जानते कि क्या होने वाला है।'

उन्होंने कहा, 'कोई गेंद स्विंग करेगी, कोई सीम होगी, वह इन स्विंग गेंदबाजी करेगा, वह आउट स्विंग गेंदबाजी करेगा।' टी20 विश्व कप में 15 विकेट लेकर बुमराह ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई और पोंटिंग ने 30 वर्षीय बुमराह की जमकर तारीफ की। पोंटिंग ने कहा, 'अगर मैं टी20 विश्व कप में उनके प्रदर्शन को देखूं तो - गति अब भी वही है, सटीकता या वह जो दे सकते हैं, उसमें कुछ भी नहीं बदला है।'

उन्होंने कहा, 'कौशल भी समान है। वह साल दर साल बेहतर होते जा रहे हैं। जब आपके पास वह कौशल और निरंतरता होती है जो उनके पास है, तो आप एक महान खिलाड़ी बनने जा रहे हैं। (ग्लेन) मैकग्रा को देखें, (जेम्स) एंडरसन को देखें, इन लोगों को देखें। उनका कौशल इतने लंबे समय तक कायम रहा जो उन्हें बाकी लोगों से अलग

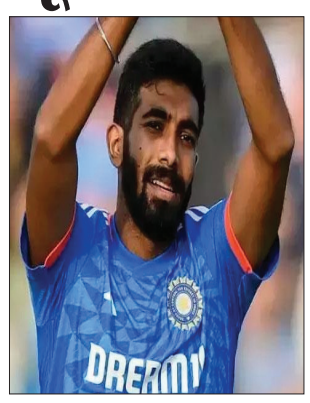

करता है।

अर्जेंटीना को लगा झटका, चिली और कोलंबिया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में नहीं खेल पाएंगे मेस्सी

ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी चोटिल होने के कारण अर्जेंटीना की तरफ से विश्व कप क्वालीफायर के अगले दो मैच में नहीं खेल पाएंगे। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने पांच सितंबर को चिली और उसके पांच दिन बाद कोलंबिया के खिलाफ होने वाले मैचों के लिए सोमवार को अपनी 28 सदस्यीय टीम की घोषणा की। मेस्सी अभी दाहिने टखने की चोट से उबर रहे हैं। अर्जेंटीना के कोपा अमेरिका चैंपियन बनने के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास लेने वाले 36 वर्षीय एंजेल डि मारिया भी टीम में नहीं हैं। विश्व कप चैंपियन अर्जेंटीना छह मैचों के बाद 15 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग में शीर्ष पर है।

बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप खेलना संभव नहीं : हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली बांग्लादेश के हालातों को देखकर बेहद डरी हुई हैं। एलिसा ने कहा है कि जिस प्रकार वहां हिंसा हुई है और कई लोगों की जान गयी है। उसको देखते हुए अक्टूबर में बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप खेलना किसी के लिए भी संभव नहीं होगा। हीली के अनुसार पिछले कुछ समय में जिस प्रकार के हालात वहां रहे हैं उसमें कोई भी वहां खेलने की कल्पना तक नहीं कर सकता। बांग्लादेश को इस बार महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी मिली है और ये टूर्नामेंट तीन से 19 अक्टूबर तक खेला जाना है। जिससे ऑस्ट्रेलिया सहित सभी 10 टीमों को भाग लेना है। आईसीसी ने अभी तक किसी अन्य स्थल पर इसे आयोजित करने की घोषणा नहीं की है हालांकि ये माना जा रहा है कि ये किसी अन्य जगह पर रखा जाएगा। एलिसा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से कहा कि मुझे इस समय वहां खेलने के बारे में सोचना भी मुश्किल लग रहा है। एक इंसान के तौर पर मुझे लगता है कि ऐसा करना गलत होगा। उन्होंने कहा कि यह ऐसे देश से संसाधन छीनना होगा जो पहले ही काफी संघर्ष कर रहा है। इन संसाधनों की उन सभी लोगों की जरूरत है जो जरुरतमंद हैं। एलिसा ने हालांकि कहा कि इस बारे में अंतिम फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को लेना है। उन्होंने कहा कि इस समय बांग्लादेश में क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करने से ज्यादा जरुरी वहां अन्य प्रकार की सहायता देना है। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में बांग्लादेश में सीमित ओवरों की सीरीज खेली थी जिसके सभी छह मैच ढाका में खेले गए थे। यह 2014 के टी20 विश्व कप के बाद ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश का पहला दौरा था और देश में टी20 विश्व कप की उनकी तैयारियों को देखते हुए अहम माना जा रहा था। हीली को भरोसा है कि टूर्नामेंट को कहीं और आयोजित किया।

चंद्रपॉल और स्ट्रॉस में हैं कई समानताएं

मुम्बई। क्रिकेट में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो एक ही पारी में शून्य जबकि दूसरी में शतक लगाने में सफल हुए हैं। इन खिलाड़ियों में कई भारतीय क्रिकेटर शामिल हैं। इसमें सुनील गावस्कर, गुंडप्पा विश्वनाथ, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाज शामिल हैं। वहीं दो बल्लेबाज ऐसे हैं जिनके साथ तीन बार ऐसा हुआ है और ये दोनो ही बांए हाथ के बल्लेबाज हैं। ये हैं वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल और इंग्लैंड के एंड्यू स?ट्रॉस। इन दोनो में इसके अलावा भी कई समानताएं हैं। दोनों ही अपनी टीम के कप?तान रहे हैं और 100 से अधिक टेस्ट और एकदिवसीय खेले हैं। दोनों ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। चंद्रपॉल ने 164 टेस्ट, 268 वनडे और 22 टी20 खेल हैं। टेस्ट क्रिकेट में 30 शतकों की मदद से उनके नाम 11867 रन, वनडे में 11 शतकों की मदद से 8778 रन और टी20 में 343 रन उनके नाम पर दर्ज हैं। यही नहीं, 14 टेस्ट और 16 वनडे में वे वेस्टइंडीज टीम के कप्तान रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, इंग्लैंड के एंड्रयू स्ट्रास ने 100 टेस्ट, 127 एकदिवसीय और 4 टी20 खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 21 शतकों की मदद से 7037, वनडे में 6 शतकों की मदद से 4205 और टी20आई में 73 रन बनाए हैं। 50 टेस्ट, 62 एकदिवसीय और 3 टी20 में उन्होंने इंग्लैंड की कप्तानी भी संभाली है। . मार्च 1994 में डेब्यू करने वाले चंद्रपॉल पहली बार फरवरी 1998 में इंग्लैंड के खिलाफ जॉर्जटाउन टेस्ट में शतक 118 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 0 पर आउट हुए थे। दिसंबर 2003 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन टेस?ट में एक बार फिर वे पहली पारी में 0 पर आउट हुए जबकि दूसरी पारी में 109 रन बनाने में सफल रहे। चंद्रपॉल तीसरी और आखिरी बार दिसंबर 2008 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर टेस्ट में पहली पारी में नाबाद 126 रन बनाने बाद वे दूसरी पारी में शून्य पर ही आउट हो गये। वहीं स्ट्रॉस की बात करें तो नवंबर 2003 में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाला यह बैटर सबसे पहले जनवरी 2005 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग टेस्ट में शतक बनाने के बाद 0 पर आउट हुआ। पहली पारी में 147 रन बनाने के बाद वे दूसरी पारी में खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। मार्च 2007 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर टेस्ट में वे पहली पारी में 0 पर आउट हुए जबकि दूसरी पारी में 177 रनों पर आउट हुए। तीसरी और आखिरी बार नवंबर 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन टेस्ट में वह पहली पारी में 0 पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में उन्होंने 110 रन बनाने में सफल रहे।

डॉक्टर या इंजीनियर बनना जरूरी नहीं, खेलों से भी बन सकती अच्छी जिंदगी: मनु भाकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई - ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ स्वदेश लौटी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को यहां एक स्कूल में सम्मानित होने के बाद छात्रों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे 'जिंदगी अच्छी' बनाई जा सकती है। हरियाणा की इस 22 साल की निशानेबाज ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक अपने नाम किये। वह ओलंपिक के किसी एक सत्र में दो पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी हैं।

मनु ने यहां 'वेलाम्मल नेक्सस स्कूल' में आयोजित कार्यक्रम में कहा, 'तोक्यो ओलंपिक में निराशा मिलने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना काफी मुश्किल था। मैं उस समय विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थी लेकिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी।' उन्होंने कहा, 'मैं विफलता के बाद सफलता के स्वाद को जानती हूं। खेलों की यही खूबसूरती है। आप एक प्रतियोगिता में हारते है तो दूसरे में जीतते है। लेकिन ऐसा तभी होगा जब आप लगातार कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे।'

मनु ने युवा छात्रों से खेल को करियर विकल्प के रूप में अपनाने की सलाह देने के साथ 'बड़े सपने देखने' और 'कड़ी मेहनत' पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमें बहुत कड़ी मेहनत और प्रयास करना चाहिए। यह हमेशा किसी बड़े लक्ष्य के साथ शुरू नहीं होता है, आपको इसे हासिल करने के लिए निरंतर काम करते रहना होता है।' उन्होंने कहा, 'आप अगर बड़े सपने देख सकते हैं, तो आप बड़ा हासिल कर सकते हैं। इसलिए, हमेशा बड़े सपने देखने से शुरुआत करें।'

मनु ने कहा, 'मैं हमेशा अपने आप से कहती हूं कि चाहे मैं किसी भी प्रतियोगिता में जीतूं या हारूं, मैं हमेशा अपना मनोबल बनाये रखूंगी।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास करियर के कई विकल्प हैं। आपको डॉक्टर या इंजीनियर बनने की जरूरत नहीं है। खिलाड़ियों का जीवन एक सुंदर जीवन है। वित्तीय सहायता से लेकर किसी भी तरह की मदद तक, आपको खेल में सब कुछ मिलता है।'

पेरिस ओलंपिक में मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के अलावा 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सरबजोत सिंह के साथ जोड़ी बनाकर कांस्य पदक जीते। उन्हें खुद को प्रेरित करने में अपने माता-पिता की भूमिका को महत्वपूर्ण करार दिया। मनु ने कहा, 'मेरी प्रेरणा मेरी मां से मिली। उन्होंने मुझे वैसा बनाया जैसी मैं आज हूं। माता-पिता के समर्थन के बिना, एक बच्चा बहुत कुछ नहीं कर सकता।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

ट्रंप के ऐलान के बाद नई पारी शुरु कर सकते हैं एलन मस्क

वॉशिंगटन ।अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतने पर एलन मस्क को कैबिनेट पद देने या व्हाइट हाउस में सलाहकार बनाने की पेशकश कर दी है। इधर, मस्क भी नई भूमिका के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। अमेरिका में नवंबर में चुनाव होने हैं। ट्रंप का मुख्य मुकाबला डेमोक्रेट उम्मीदवार

कमला हैरिस से है। मस्क ने विभाग के संकेत भी दे दिए हैं। मंगलवार को उन्होंने पोस्ट किया, मैं सेवाएं देने के लिए तैयार हूं। उन्होंने एक फोटो भी पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशीएंसी ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह मस्क के लिए एडवाइजर की भूमिका या कैबिनेट पोस्ट पर विचार करेंगे। इसपर उन्होंने कहा, वह बहुत ही स्मार्ट हैं। अगर वह ऐसा करेंगे, तो मैं निश्चित रूप से यह काम करूंगा। वह बहुत ही समझदार व्यक्ति हैं। इसके अलावा ट्रंप ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर 7500 डॉलर टैक्स क्रेडिट को भी खत्म करने पर विचार करने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसपर वह अंतिम फैसला नहीं ले रहे हैं।

हैरिस की लोकप्रियता में हुआ इजाफा

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी में उत्साह और अमेरिकियों के बीच अपनी लोकप्रियता में वृद्धि के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। हाल में हुए एक नए सर्वेक्षण के मुताबिक, अमेरिका के लगभग आधे वयस्क (48 प्रतिशत) हैरिस के बारे में बहुत या कुछ हद तक अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं ।गर्मी की शुरुआत में ऐसे अमेरिकियों की संख्या 39 प्रतिशत थी, लिहाजा अब इसमें वृद्धि देखी गई है। उस समय पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद अंतत- जो बाइडन को राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी से हटना पड़ा था।

रूस में 92 ठिकानों पर है यूक्रेन का नियंत्रण : ज़ेलेंस्की

- यूक्रेनी सैनिकों ने 1,250 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा रूसी क्षेत्र पर कर लिया है कब्ज़ा

कीव ।राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी सेना ने पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 92 बस्तियों पर नियंत्रण कर लिया है। ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर कहा कि यूक्रेनी सैनिकों ने 1,250 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया है।ज़ेलेंस्की ने कहा ?कि हमारे देश के सुमी क्षेत्र के ठीक सामने रूसी सीमा क्षेत्र को रूस की सेना से लगभग पूरी तरह से मुक्त कर दिया गया है।उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना कुर्स्क क्षेत्र में कई जगहों पर अपना सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। पिछले हफ़्ते यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने कहा था कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन का अभियान दोनों देशों के बीच संभावित शांति वार्ता से जुड़ा हुआ है।उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूसी क्षेत्रों पर कब्ज़ा करने में दिलचस्पी नहीं रखता।हालांकि, इसके जवाब में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि रूस की सीमा पर यूक्रेन के हमलों का उचित जवाब दिया जाएगा।रूसी सेना का पहला काम कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेनी सेना को हटाना है।यूक्रेन ने 6 अगस्त को कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियान शुरू किया था। 15 अगस्त को यूक्रेनी सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अलेक्सांद्र सिरस्की ने कहा कि उनकी सेना ने इस क्षेत्र में 82 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। उधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस के सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र पर हमले के बाद यूक्रेन के साथ बातचीत संभव नहीं है। स्थानीय मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा ?कि राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुर्स्क क्षेत्र पर हमलों के बाद बातचीत असंभव है। इस बीच उन्होंने उन आरोपों का खंडन किया कि दोनों देशों ने किसी तीसरे देश से मध्यस्थता के लिए संपर्क किया है और इसे कोरी अफवाह बताया। लावरोव ने यह भी संकेत दिया कि स्विट्ज़रलैंड में यूक्रेन पर सम्मेलन की पूरी प्रक्रिया रूस के लिए अस्वीकार्य है क्योंकि यह ज़ेलेंस्की के फॉर्मूले को बढ़ावा देने के बारे में है।

पाकिस्तानी संसद में चूहों का आतंक

लाहौर। संसद में चूहे की समस्या से निजात पाने के लिए पाकिस्तान सरकार ने शिकारी बिल्लियां तैनात करने का फैसला किया है। पाकिस्तान की कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इसके लिए 12 लाख रुपए का बजट आवंटित किया है। दरअसल संसद के अंदर बड़ी तादाद में चूहे आ गए हैं। वे सीनेट और नेशनल असेंबली के कई विभागों में बड़ी तादाद में अपनी आबादी बढ़ा चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक चूहों ने संसद की कई जरूरी और गोपनीय फाइलों को कुतर कर बर्बाद कर दिया है। वे कम्प्यूटर के तार को काट कर उन्हें नुकसान पहुंचा रहे हैं।

शाहीन-2 बैलिस्टिक मिसाइल का टेस्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने मंगलवार को अपनी बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसे हत्फ-6 भी कहते हैं। यह सतह से सतह पर मार करने वाली मीडियम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है। इस मिसाइल का इस्तेमाल पाकिस्तान सेना का स्ट्रैटेजिक कमांड करता है। इसके जरिए पाकिस्तान अपनी ताकत दर्शाना चाहता है। इस मिसाइल परीक्षण के साथ ही पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया में अपनी ताकत दिखाना चाहता है। इस मिसाइल का वजन 23,600 किलोग्राम है। इसकी लंबाई 17.2 मीटर और व्यास 1.4 मीटर है। इसकी अधिकतम फायरिंग रेंज 2000 किलोमीटर है। इसमें 1230 किलोग्राम का वॉरहेड लगता है। ये परमाणु हथियार ले जा सकता है।

गलत चीजें खाने से हो सकती है नींद खराब

-सुस्ती, थकान, सिरदर्द जैसी हो सकती हैं कई समस्याएं

लंदन । गहरी और पर्याप्त नींद लेना सभी के लिए जरूरी है ।सभी को 7-8 घंटे की गहरी नींद लेनी ही चाहिए ।अगर कोई पर्याप्त नींद नहीं लेता तो अगले दिन उसे सुस्ती, थकान, सिरदर्द जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं ।अगर किसी की ईटिंग हैबिट गलत होती है या वह गलत चीजें खाता है तो उसकी रात की नींद खराब हो सकती है। अब चाहे वह कार्ब्स कम खाना हो या फिर खाना ना खाना। न्यूट्रिशन एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर किसी की रात की नींद खराब हो रही है तो नीचे बताई हुई चीजों पर जरूर ध्यान दें क्योंकि इन चीजों के कारण नींद खराब हो सकती है। जो लोग कुछ आधुनिक डाइट लेते हैं उन्हें अक्सर कार्बोहाइड्रेट को कम खाने या बंद करने की सलाह दी जाती है। लेकिन अगर ऐसा करते हैं रात की नींद डिस्टर्ब हो जाती है। न्यूट्रिशन एक्सपर्ट के मुताबिक, शरीर में मुख्य ऊर्जा का सोर्स कार्बोहाइड्रेट होता है। एक हेल्दी डाइट में ब्राउन पास्ता, क्विनोआ, ब्राउन राइस और होलमील ब्रेड जैसे साबुत अनाज कार्बोहाइड्रेट का सेवन करना चाहिए क्योंकि इनमें अधिक फाइबर और पोषक तत्व होते हैं। यह ब्लड शुगर को स्थिर रखते हैं और शरीर को एनर्जी भी देते हैं ।हाई फाइबर वाले खाद्य पदार्थों में सेम और दालें, फल और सब्जियां, और नट और बीज भी शामिल हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि कुछ लोग काफी अधिक मात्रा में कॉफी का सेवन करते हैं जिससे नींद डिस्टर्ब हो जाती है ।कॉफी में काफी मात्रा में कैफीन होता है इससे स्लीपिंग पैटर्न बिगड़ सकता है। आमतौर पर, वयस्कों के लिए एक दिन में लगभग 400 मिलीग्राम कैफीन (4 कप कॉफी) सुरक्षित मानी जाती है ।बहुत अधिक कॉफी पीने से थकान और नींद ना आने की समस्या हो सकती है.आज कल के समय में कई लोग वजन कम करने के लिए या अन्य कारणों से आसानी से खाना-खाना छोड़ देते हैं ।लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो यह रात में नींद की परेशानी को बढ़ा सकता है। यदि आप अक्सर नाश्ता या दोपहर का भोजन करना छोड़ देते हैं तो इससे ब्लड शुगर कम हो जाता है और एनर्जी में कमी आ सकती है ।इसके अलावा अगर आप भूख लगने पर खाना खा रहे हैं तो यह काफी अच्छा हो सकता है ।लेकिन याद रखें भोजन में प्रोटीन और फाइबर जरूर होना चाहिए वहीं रक्त शर्करा के स्तर को सही रखने के लिए दही, फल और सब्जियां भी होनी चाहिए। एक्सपर्ट सभी को दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। पोषण विशेषज्ञ के मुताबिक, दिन भर के कामों में हमारे शरीर को काफी पानी की जरूरत होती है और अगर पानी नहीं पिएंगे तो शरीर डिहाइड्रेट हो जाएगा। इसलिए दिन भर कोई भी लिक्विड ड्रिंक्स पीते रहें। लेकिन शराब, अधिक कॉफी, मीठी ड्रिंक पीने से बचें। पानी, दूध, नारियल पानी, जूस पी सकते हैं.पोषण एक्सपर्ट का मानना है कि कई लोग लंच में काफी अधिक खाना खा लेते हैं और उसके एक या दो घंटे बाद ही सुस्ती आने लगती है। अगर आप बैलेंस डाइट नहीं लेंगे तो ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए हमेशा भोजन की कुल मात्रा को कम करने की कोशिश करें और सफेद, प्रोसेस्ड कार्बोहाइड्रेट की बजाय साबुत कार्बोहाइड्रेट का विकल्प चुनें।

शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन एक कार्यक्रम में एकसाथ नजर आये।

10 घंटे करेंगे ट्रैवल, 7 घंटे की विजिट, बाइडेन के बाद यूक्रेन जाने के लिए पीएम मोदी ने भी ट्रेन का विकल्प चुना

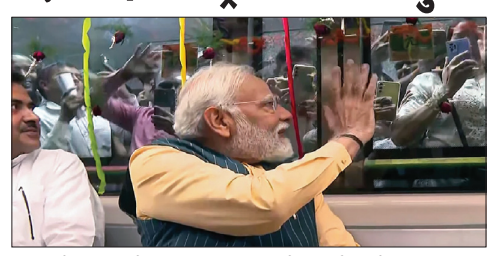

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की फरवरी में की गई यूक्रेन यात्रा तो सभी को याद होगी। जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने कीव दौरे के लिए ट्रेन से जाने का विकल्प चुना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन की यात्रा पर जाने वाले हैं। प्रधानमंत्री के कीव में सात घंटे रहने की उम्मीद है, जबकि उनकी यात्रा में ट्रेन में 20 घंटे भी शामिल होंगे। इस ट्रेन से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और फ्रांसीसी प्रमुख इमैनुएल मैक्रॉन जैसे नेता यात्रा कर चुके हैं। फरवरी 2022 में यूक्रेन के खिलाफ रूसी कार्रवाई शुरू होने के बाद मोदी की किसी भारतीय नेता की पहली यात्रा है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इस यात्रा की औपचारिक घोषणा की। मोदी की यात्रा की तैयारी हफ्तों पहले शुरू हो गई, जिसमें रसद और सुरक्षा पर करीबी समन्वय शामिल था। उम्मीद है कि मोदी 'रेल फोर्स वन' रात्रिकालीन ट्रेन से यात्रा करेंगे, जो फरवरी 2023 में बिडेन को पोलैंड से कीव ले गई थी। रूस ने देश के बिजली नेटवर्क और बिजली उत्पादन इकाइयों को काफी नुकसान पहुंचाया है, जिसके बाद यूक्रेन ने डीजल इंजनों से इलेक्ट्रिक इंजनों की अदला-बदली कर दी है, जिससे ट्रेन को पोलैंड की सीमा से कीव तक यात्रा करने में लगने वाला समय बढ़ गया है।

अफगानिस्तान में 90 फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी में गुजार रहे दिन

- तालिबानी सरकार को मान्यता नहीं मिलने से फंड किए जा रहे निरस्त

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार बनने के बाद से वहां की स्थिति दिन ब दिन बिड़ती जा रही है। वहां 90 फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी की मार झेल रहे हैं। तालिबान के डर से महिलाएं घरों पर रहने को मजबूर हैं। तालिबान सरकार भी परेशानी में है। चरमपंथ की वजह से उसे कोई भी देश तालिनानी सरकार को मान्यता देने को तैयार नहीं है। पश्तो में छात्रों को तालिबान कहते हैं। 90 के दशक में जब रूस, अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी कर रहा था, तब ये संगठन उभरा। इसकी शुरुआत धार्मिक संस्थानों में हुई। 1996 में इस संगठन ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर कब्जा कर लिया। यहां से देश पर चमरपंथी ताकतें राज करने लगीं। वे महिलाओं को पर्दे में रहने और पुरुषों के बगैर घर से न निकलने का आदेश देती थीं। इस्लामिक कानून इतनी कट्टरता से लागू किया कि संगीत पर भी बैन लगा दिया गया।

कट्टरता के चलते तालिबान को आतंकी संगठन का दर्जा दिया जाने लगा क्योंकि वे दूसरे देशों की सीमाओं तक भी अपनी कट्टरता पहुंचा रहे थे। अफगानिस्तान पर तालिबानी राज के दौर में केवल तीन देशों ने उसे मान्यता दी थी। सऊदी अरब, यूएई और पाकिस्तान। ये तीनों ही मुस्लिम बहुल देश हैं। अक्टूबर 2001 से लेकर दिसंबर के बीच अमेरिकी सेनाओं ने तालिबान को करीब करीब खत्म कर दिया था, लेकिन अंदर ही अंदर चिंगारी सुलगती रही। नतीजा बीस साल बाद इस गुट ने फिर काबुल में वापसी की। इस बार उसने अफगानिस्तान में चुनी हुई सरकार को गिरा दिया। इस माह तालिबानी राज को

तीन साल हो चुके लेकिन कई देश इस संगठन को राजनैतिक मान्यता देने को राजी नहीं हैं।

मानवाधिकार, खासकर महिलाओं और बच्चियों पर हिंसा के बढ़ते मामलों के बीच दुनिया भर के देशों ने अफगानिस्तान में अपने दूतावास बंद दिए साथ ही तालिबान को देश के नेचुरल रूलर के तौर पर मान्यता देने से भी मना कर दिया। तालिबान को मान्यता न मिलने का खामियाजा उसे ही नहीं, बल्कि पूरे देश को भुगतना पड़ रहा है। उसे वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड से तब तक कोई मदद नहीं मिलेगी, जब तक कि आधिकारिक दर्जा नहीं मिल जाता। आईएमएफ ने अफगानिस्ता के लिए सारे फंड निरस्त कर दिए हैं। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देश अफगानिस्तान को सबसे ज्यादा लोन दे रहे थे। उसपर भी रोक लगा दी गई है।

तालिबानी के चरमपंथ के बावजूद कई देश काबुल से अपने डिप्लोमेटिक रिश्ते बना रहे हैं। इस साल अप्रैल में रूस ने मॉस्को स्थित अफगान एंबेसी तालिबानियों को सौंप दी। इसके अगले ही माह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तालिबान को आतंकी समूहों की लिस्ट से हटाने की बात करते हुए कहा कि मॉस्को को तालिबान से अच्छे संबंध रखने चाहिए। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तालिबानी अधिकारी को अफगान के राजदूत के तौर पर मान्यता दे दी। हालांकि बीजिंग ने अब तक तालिबान को अफगानिस्तान की वैध सरकार नहीं कहा है, लेकिन ये जरूर कह कि तालिबान को इंटरनेशनल कम्युनिटी से काटा नहीं जाना चाहिए। इनके अलावा पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, अजरबैजान और खाड़ी देशों ने भी इसे स्वीकार कर लिया है। वे इसे आर्थिक मदद भी करते हैं। यह साफ नहीं हो सका कि क्या इन सारे देशों ने आधिकारिक तौर पर इससे डिप्लोमेटिक संबंध भी बना रखे हैं।

हिलेरी क्लिंटन ने कमला को दूरदर्शी... ट्रंप को भगौड़ा बता दिया

शिकागो (एजेंसी)। शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन चल रहा है। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन अपनी पार्टी से राष्ट्रपति के दावेदार कमला हैरिस का खुलकर समर्थन किया। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को बख्शने की की मूड में नहीं दिखी है। जहां, कमला को उन्होंने दूरदर्शी बताया वहीं ट्रंप को भगौड़ा बता दिया है। वहीं, राष्ट्रपति जो बाइडन ने कन्वेंशन को संबोधित किया और लोगों से कमला हैरिस और टिम वाल्ज को जिताने की अपील की। 50000 लोगों की भीड़ उन्होंने कहा कि 'आजादी,' 'लोकतंत्र,' और 'अमेरिका' के लिए कमला और टीम जिताएं।

पूर्व विदेश मंत्री और प्रथम महिला रह चुकीं हिलेरी क्लिंटन ने हैरिस के तारीफों के जमकर कसीदे गढ़े। उन्होंने इतना तक कह दिया कि कमला के पास अमेरिका को आगे ले जाने के लिए चरित्र, अनुभव और दूरदृष्टि है। क्लिंटन ने देशभर के हजारों डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं और सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा बताया कि हमदोनों (कमला और क्लिंटन) ने साथ में वकालत शुरू की थी। मैं उनकी ईमानदारी को जानती हूं।

क्लिंटन ने राष्ट्रपति चुनावों के लिए कमला को डेमोक्रेट का उम्मीदवार बनाने के लिए देश भर से हजारों डेमोक्रेटिक नेताओं और सदस्यों का धन्यवाद किया। गौरतलब है कि 76 क्लिंटन ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव

लड़ा था। डोनाल्ड ट्रंप से उन्हें हार मिली थी।

'मैं उनके दिल और उनकी ईमानदारी को जानती हूं। हम दोनों ने वकालत के दिनों में उन बच्चों की मदद करना शुरू किया, जिनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा था या जिनकी उपेक्षा की जा रही था। इस तरह का काम आपको बदल देता है। वे बच्चे हमेशा के लिए आपके दिलों-दिमाग में बस जाते हैं। कमला हर उन बच्चों की उम्मीद हैं, जिनकी उन्होंने रक्षा की। हर उस परिवार की मदद की, हर उस समुदाय की सेवा की।

'वे हार्ड वर्किंग फैमली की दैनिक खर्च कम करने के लिए दिन-रात एक कर देंगी। वह हर अमेरिकियों के लिए हाई पेड वाली नौकरियों के नए दरवाजें खोलेंगी। और, हां, वह पूरे देश में गर्भपात के अधिकारों को बहाल करेंगी।

'हमारा संविधान कहता है कि राष्ट्रपति का काम 'कानूनों को ईमानदारी से पालन कराना होता है' आप ध्यान रखना कि आपके किसके साथ हैं, बस बता दूं कि कमला को उन सभी बच्चों, परिवारों और अमेरिका की परवाह है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को केवल अपनी।

इजराइल, हमास से संघर्ष विराम को राजी, अमेरिका ने दिया प्रस्ताव

-इजराइली सेना ने शिविर पर बरसाए बम, कई फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा (एजेंसी)। इजराइल ने हमास के संघर्ष विराम के लिए अमेरिका का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इजराइल और हमास के बीच कई महीनों से संघर्ष जारी है लेकिन अब इजरायल और लेबनान के बीच जंग का मोर्चा खुल गया है। रिपोर्ट के मुताबिक हिजबुल्ला ने इजराइल पर रॉकेट हमला किया है। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने कब्जे वाले गोलान हाइट्स में इजराइली सेना के ठिकानों पर रॉकेट बैराज दागे हैं। हिजबुल्ला ने कहा कि यह हमला पिछले दिन पूर्वी लेबनान पर इजराइली हमलों के जवाब में था। 19 अगस्त को इजराइल ने बेका घाटी पर हमले किए थे। एक सूत्र ने बताया कि इजराइली हमले में पूर्वी क्षेत्र में हथियार डिपो को निशाना बनाया था। इज़राइल की सेना ने गाजा में कई हमले किए, जिसमें कई बेगुनाह फिलिस्तीनी मारे गए और कई घायल हुए हैं। इजराइल ने ब्यूरिज शिविर पर बम बरसाए जिसमें एक ही परिवार के छह लोग मारे गए। राफ़ा शहर में एक घर पर हमला, चार लोगों की मौत। खान यूनिस के पास अल-मवासी क्षेत्र के बाहरी इलाके में टैंक में आग लग गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। गाजा शहर के पड़ोस ताल अल-हलवा, सबरा और ज़ैटौन में गोलाबारी की गई। इजाराइली हमलों के बीच खबर आई की अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजराइल के युद्ध विराम के लिए तैयार होने की बात कही है। वहीं उन्होंने हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया है।

एक-दो नहीं... पूरे 15 मामले दर्ज हुए हसीना के खिलाफ

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश छोड़ चुकीं शेख हसीना की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। प्रदर्शन के दौरान दो लोगों की मौत के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ हत्या के दो नए मामले दर्ज किए गए हैं। हसीना के साथ-साथ उनकी सरकार के पूर्व मंत्रियों के खिलाफ भी मामला दर्ज है। हसीना के खिलाफ दर्ज मामलों की सीरीज में यह ताजा मामला है।

खबर के अनुसार, मीरपुर इलाके में लिटन हसन लालू उर्फ हसन और शेर-ए-बांग्ला नगर इलाके में तारिक हुसैन की हत्या के लिए हसीना के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। लिटन के भाई ने ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मेंहदी हसन की अदालत में हसीना, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) अब्दुल्ला अल मामून और अन्य सहित 148 लोगों के खिलाफ

मामला दर्ज कराया है। मामले के दस्तावेजों के अनुसार, लिटन चार अगस्त को मीरपुर इलाके में छात्र आंदोलन के तहत एक शांतिपूर्ण जुलूस में शामिल हुआ था। दोपहर करीब दो बजे हसीना की अवामी लीग पार्टी के लोगों ने जुलूस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे हसन घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। इस बीच, तारिक की मां फिदुशी खातून ने हसीना, पूर्व सड़क, परिवहन एवं पुल मंत्री ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री कमाल, पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मोहम्मद अली अराफात सहित 13 लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज कराया। तारिक को पांच अगस्त को थाने के सामने अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी थी और नौ अगस्त को उसकी मौत हो गई। इसके बाद हसीना के पद से हटने के बाद उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या बढ़कर पंद्रह हो गई है। खबर के अनुसार, रविवार देर रात मोहम्मद मिलन की पत्नी शहनाज बेगम ने एक और हत्या का मामला दर्ज कराया। मिलन की 21 जुलाई को मछली बाजार से घर लौटते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में हसीना, पूर्व सड़क परिवहन और पुल मंत्री कादर, पूर्व विधायक शमीम उस्मान और पूर्व गृह मंत्री खान सहित 62 लोगों को आरोपी बनाया गया है। खबर के मुताबिक, हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने आग्नेयास्त्रों और लाठियों से लैस होकर छात्र आंदोलन में व्यवधान डालने के लिए ढाका-चटगांव राजमार्ग पर यातायात में बाधा उत्पन्न की थी।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के बनेंगे चांसलर!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पूर्व पाकिस्तानी पीएम इमरान खान ने ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का अगला चांसलर बनने के लिए आवेदन किया है, उनकी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। राजनीतिक पार्टी पीटीआई के संस्थापक और अध्यक्ष मशहूर क्रिकेट, इमरान खान ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्र रह चुके हैं। वह जेल में रहते हुए भी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का चांसलर बनाने चाह हैं। पीटीआई ने एक पोस्ट में कहा कि एक साल से ज्यादा समय तक गैरकानूनी तरीके से जेल में रहने के बावजूद, इमरान अपने सिद्धांतों और उन मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जिनकी वह वकालत करते हैं। जुल्फी बुखारी ने पुष्टि की है कि आवेदन औपचारिक रूप से जमा कर दिया गया है। ऑक्सफोर्ड ने अंतिम लिस्ट जारी नहीं की है लेकिन कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्व ब्रिटिश पीएम टोनी ब्लेयर, थेरेसा और बोरिस जॉनसन भी चुनाव लड़ने वाले हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान की पार्टी की घोषणा हांगकांग के अंतिम ब्रिटिश गवर्नर क्रिस पैटन की फरवरी में घोषणा के बाद आई है कि वह ऑक्सफोर्ड चांसलर के रूप में पद छोड़ने वाले हैं। हालाँकि, यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर दस साल की अवधि के लिए उम्मीदवारों की सूची अक्टूबर तक सार्वजनिक नहीं की जाएगी, और मतदान उसी महीने के आखिर में होगा। इमरान खान ने दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र का अध्ययन करने के बाद 1975 में यूनिवर्सिटी से स्नातक की उपाधि हासिल की थी। उन्होंने पाकिस्तान के महानतम क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपना करियर शुरू किया और नियमित रूप से ब्रिटेन की गॉसिप पत्रिकाओं के पन्नों की शोभा बढ़ाते रहे।

इमरान ने अपने जीवन में तीन शादी की, जिसमें ब्रिटिश सोशलाइट और फिल्म निर्माता जेमिमा गोल्डस्मिथ भी शामिल थीं। उन्होंने 2005 से 2014 तक ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय के चांसलर के रूप में भी कार्य किया। खान ने बाद में परोपकार और राजनीति की ओर रुख किया, 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के पीएम रहे। खान को 2022 में पीएम पद से हटा दिया गया जब वह विश्वास मत हार गए थे, जिसके बाद उन्होंने पाकिस्तान की सेना पर हमला करते हुए एक मजबूत वापसी अभियान शुरू किया, जिसके प्रमुख जनरलों ने एक बार उनका समर्थन किया और देश की सड़कों पर भारी भीड़ जमा कर दी।

उदयपुर चाकूबाजी: छात्र का हुआ अंतिम संस्कार, ड्रोन से रखी गई नजर

स्कूल-कॉलेज रहे बंद, अप्रिय घटना को रोकने पुलिस बल तैनात

उदयपुर। (एजेंसी)

राजस्थान के उदयपुर चाकूबाजी में घायल छात्र की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। उसका मंगलवार को अंतिम संस्कार किया कड़ी सुरक्षा के बीच किया गया। शहर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस तैनात की गई है। चौराहों और छतों पर बड़ी संख्या में पुलिस निगरानी रख रही है। वहीं, छात्र के घर से श्मशान घाट तक पुलिस ने ड्रोन से निगरानी की। उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि यह पूरे समाज और समुदाय के लिए दुखद घटना है। मेवाड़ हमेशा से एकजुट रहा है, लेकिन जब ऐसी घटनाएं होती हैं, तो इससे सामाजिक जीवन हिल जाता है। घटना से लोगों में गुस्सा है लेकिन अपराधी के पीछे कोई पारिस्थितिकी तंत्र है तो उसकी जांच की जाना चाहिए। सोमवार को परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया था और दोषी को सजा देने समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन किया था जिसके बाद मृतक छात्र के परिजनों को 51 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को संविदा नौकरी देने और एसटी-एससी एक्ट के तहत मामले में कार्रवाई करने पर सहमति बनी थी। जिला प्रशासन ने शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया था। वहीं मंगलवार को जिले में स्कूल-कॉलेज भी

बंद रहे हालांकि मंगलवार को होने वाली परीक्षाएं हुईं। बता दें चाकूबाजी की घटना के बाद प्रशासन ने आरोपी छात्र के घर को तोड़ दिया था हालांकि, प्रशासन ने जिस घर को तोड़ा था, उस घर में आरोपी छात्र का परिवार किराए से रहता था। किराए के घर पर बुलडोजर चलने से सियासत गरमा गई। विपक्षी नेताओं ने राज्य सरकार की इस बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाया था।

कोलकाता की घटना से सबक......... एम्स सहित सभी केंद्रीय अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाए

-केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय का पत्र

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना को देखकर एम्स सहित सभी केंद्रीय अस्पतालों को पत्र लिखा है। सभी अस्पतालों को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रखने को कहा गया हैं। पत्र में कहा गया है कि चिकित्साकर्मियों के साथ अपराध मंजूर नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय पत्र में कहा गया कि निजी की तुलना में सरकारी अस्पताल मरीजों के लिए सुलभ होते हैं। इसकारण निजी अस्पतालों में आपराधिक कृत्य अधिक होते हैं। इसके बाद सुरक्षा के उचित बंदोबस्त करना अस्पताल का दायित्व बनता है। मंत्रालय के पत्र में लिखा है कि जिस तरह से पिछले कुछ दिनों में चिकित्सकर्मियों के साथ हिंसक व आपराधिक कृत्य की खबरें प्रकाश में आ रही हैं, इससे स्पष्ट है कि मौजूदा सुरक्षा-व्यवस्था अपर्याप्त है। पत्र में निर्देश दिया गया हैं कि अस्पताल के प्रवेश व निकासी द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि आने-जाने वाले सभी लोगों की गतिविधियों को कैमरों में कैद किया जा सके। अगर कोई अप्रिय घटना कैद होती है, तब अपराधी को तुरंत पकड़ने में मदद मिले। चिट्ठी के मुताबिक अस्पताल में निकासी और प्रवेश द्वार साथ ही सभी संवेदनशील परिसरों में भी कैमरे लगाए जाएं। इसके अलावा परिसर में सभी प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त संख्या में तैनात किया जाए, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर समय रहते काबू पाया जा सके। साथ ही कहा गया है कि मरीजों के साथ दो ज्यादा तीमारदार को अस्पताल में प्रवेश करने की इजाजत न दे। वहीं, अगर कभी इस बात का पता चले कि कोई मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति अस्पताल में है और अंदेशा हो कि वे किसी को नुकसान पहुंचा सकता है, तब बीमार व्यक्ति को तत्काल बाहर किया जाए। खत में उचित प्रशिक्षण के भी निर्देश हैं। इसमें सलाह दी गई है कि अस्पताल में तैनात सुरक्षाकर्मियों को समय-समय पर उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि अगर कभी ऐसी स्थिति पैदा हो, तब उस पर आसानी से काबू किया जा सके। वहीं, अस्पताल में कार्यरत सभी चिकित्सकर्मियों को भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि कार्यस्थल में रहते हुए अगर उन्हें निकट भविष्य मे ऐसी विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ें, तो वे किसी दूसरे पर आश्रित होने के बजाय खुद ही इसका डट कर मुकाबला करने में सक्षम हों।

कंगना की इमरजेंसी को लेकर विवाद.....फिल्म में सिख समुदाय को गलत तरह से दिखाया गया

नई दिल्ली । कंगना रनौत अपनी फिल्म इमरजेंसी को लेकर विवादों में आ गई हैं। फरीदकोट के निर्दलीय सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने फिल्म को लेकर आपत्ति जाहिर की है। सांसद सिंह ने कहा कि फिल्म इमरजेंसी सिख समुदाय को गलत तरह से दिखती है,इसकारण समाज में मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। खालसा ने लिखा, रिपोट्र्स हैं कि नई फिल्म इमरजेंसी में सिखों का चित्रण गलत तरह से किया गया है। इसकी वजह से डर है कि समाज में कानून व्यवस्था खराब हो सकती है। अगर सिखों को फिल्म में अलगाववादियों और आतंकवादियों के रूप में दिखाया गया है, तब ये गहरी साजिश है। ये फिल्म सिखों के खिलाफ दूसरे देशों में नफरत फैलाने के लिए मनोवैज्ञानिक अटैक है, जिसपर सरकार को ध्यान देकर रोकना चाहिए।

उन्होंने लिखा, सिखों पर देश में होने वाले नफरत भरे हमलों की खबर आती रहती है। इसके बाद ये फिल्म भी सिख समुदाय के खिलाफ नफरत को भड़काने का काम करेगी। सिख समुदाय ने इस देश के लिए बड़े बलिदान दिए हैं, जिन्होंने फिल्मों में पूरी तरह से दिखाया नहीं गया है।लेकिन सिखों को बदनाम करने की हर कोशिश यहां की जाति है। मैं हमेशा समाज में शांति बनाए रखने के लिए ऐसी असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाकर उन्हें रोकने की कोशिश करता हूं।

कौन हैं सरबजीत सिंह खालसा?

खालसा, बेअंत सिंह के बेटे हैं। बेअंत उन दो बॉडीगाड्र्स में से एक थे, जिन्होंने 31 अक्टूबर 1984 को ऑपरेशन ब्लू स्टार के तहत तब प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी की गोली मारकर हत्या की थी। अब कंगना रनौत अपनी फिल्म इमरजेंसी लेकर आ रही हैं। इसमें 1975 के वक्त इंदिरा गांधी द्वारा भारत में लगाए गए आपातकाल के दौर की कहानी, इंदिरा के स्ट्रगल और उनकी हत्या को दिखाया जाएगा। कंगना, इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही हैं। उनके साथ फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, विशाक नायर जैसे सितारों ने काम किया है।

शिक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद........ बैंकों ने शुरु की रिकवरी

लखनऊ ।(एजेंसी)

69 हजार सहायक शिक्षक मामले में जिन बैंकों ने उम्मीदवारों को लोन दिया था, अब उसकी रिकवरी शुरु होगी। हाईकोर्ट के भर्तियों पर आए फ़ैसले पर बैंकों ने अपने स्तर लिए गए लोन रिकवरी की प्रकिया शुरू करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) का घेराव कर आंदोलन शुरू कर्ा या है। आरक्षित श्रेणी के यह अभ्यर्थी जल्द नई मैरिट सूची तैयार कर भर्ती कार्यक्रम जारी करने की मांग कर रहे हैं। ये सभी हाईकोर्ट के आदेश का पालन करने की मांग कर रहे हैं। वहीं 69000 शिक्षक भर्ती मामले में हाईकोर्ट के फैसले के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा हैं कि वह हाईकोर्ट के फैसले का पालन करेगी, 3 महीने में शिक्षकों की एक नई मेरिट लिस्ट जारी होगी। अब सवाल उन शिक्षकों के भविष्य पर भी खड़ा हो गया है जो इस भर्ती परीक्षा में मैरिट में जगह पाने के बाद 4 साल से नौकरी कर रहे हैं। यूपी में 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में 16 अगस्त 2024 को हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाकर सहायक शिक्षक भर्ती की मैरिट लिस्ट रद्द कर दी। साथ ही सरकार को आरक्षण नियमावली 1994 की धारा 3(6) और बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 का पालन करने का आदेश दिया। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 69,000 सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा का परिणाम नए सिरे से जारी करने का आदेश दिया। इसके बाद बेसिक शिक्षा विभाग को 3 महीने में नई चयन सूची जारी करनी होगी। वहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश से यूपी सरकार को बड़ा झटका लगा है। नई चयन सूची तैयार होने से पिछले 4 सालों से नौकरी कर रहे हजारों शिक्षकों की नौकरी जाएगी। 69 हजार शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण अनियमितता का मामला लंबे समय से हाईकोर्ट में लंबित था।

भारत-मलेशिया के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर......पीएम मोदी ने इब्राहिम को लगाया गले

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच बातचीत के बाद भारत और मलेशिया ने श्रमिकों की भर्ती, रोजगार और स्वदेश वापसी को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष इब्राहिम के बीच बातचीत के बाद भारत और मलेशिया ने डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौते पर दस्तखत किए। मलेशियाई समकक्ष इब्राहिम के साथ बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-मलेशिया के बीच साझेदारी को पिछले दो वर्षों में नई गति के साथ बढ़ी है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत-मलेशिया साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक लेकर जाएगा। मलेशिया दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के संगठन 'आसियान' और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का अहम साझेदार है। हम इसपर सहमत हैं कि भारत और आसियान के बीच

मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा समय पर पूरी हो। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को मलेशिया के पेनेट से जोड़ने के लिए काम होगा। मलेशियाई समकक्ष इब्राहिम से बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने रक्षा क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम ने कहा कि हमने सभी मुद्दों पर चर्चा की, फिर चाहे वे संवेदनशील ही क्यों न हों, क्योंकि दोस्ती का असल अर्थ यही है।

बेंगलुरू : यौन उत्पीड़न पीड़िता के खिलाफ हिट एंड रन का केस

बेंगलुरू ।(एजेंसी)

नागालैंड की एक स्नातक छात्रा के साथ बेंगलुरु में हुए यौन उत्पीड़न के मामले में नया मोड़ आ गया है। यातायात पुलिस ने छात्रा पर शराब पीकर वाहन चलाने और कई दुर्घटनाएं करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, बीसीए स्नातक की छात्रा 17 अगस्त को कोरमंगला इलाके में एक पब में पार्टी में शामिल होने के बाद नशे की हालत में गाड़ी चला रही थी। नशे में ठीक से गाड़ी नहीं चला पाने के कारण उसकी कार दो ऑटो-रिक्शा और एक बाइक से टकराई। वाहनों से टकराने के बाद भी वह मौके पर नहीं रूकी और वहां से भाग गई।

इस घटना में जिन ऑटो चालकों के वाहन क्षतिग्रस्त हुए उन्होंने छात्रा का पीछा कर छात्रा को पकड़ लिया। इसके बाद पीड़िता ने ऑटो चालकों के साथ तीखी बहस की। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तब उसके पुरुष मित्र ने छात्रा को परेशानी से बचाने के लिए दूर भेज दिया। महिला बाइक पर सवार होकर भागने में कामयाब रही। इस बीच, पीड़िता बाइक से उतरकर दूसरे दोपहिया वाहन पर सवार हो गई। आरोपी स्कूटर सवार मुखेश्वरन उर्फ मुकेश (24) जो बेंगलुरु के ओदूगोडी का ही रहने वाला है, पीड़िता को एक सुनसान जगह पर ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

बता दें कि फिलहाल पीड़िता का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पीड़िता ने अपने बचाव की काफी कोशिश की, जिससे आरोपी के चेहरे पर खरोंच आई। पीड़िता ने अपने दोस्त को इमरजेंसी मैसेज भेजकर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद छात्रा की लोकेशन का पता लगाया गया। पीड़िता एक ट्रक के पीछे नग्न अवस्था में मिली थी। प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि पीड़िता नशे की हालत में थी। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए पांच टीमें बनाई हैं।

इस बीच यौन उत्पीड़न मामले की जांच कर रही पुलिस ने संदिग्ध द्वारा युवती को अपराध स्थल तक ले जाने के स्थान से 10 किलोमीटर के क्षेत्र में लगे 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। 40 अधिकारियों की एक टीम ने दोनों स्थानों पर सक्रिय 1,000 फोन नंबर एकत्र किए।

संक्षिप्त समाचार

मृत दलित युवक अर्जुन पासी के परिजनों से मिले राहुल गांधी, कहा- न्याय मिलने तक संघर्ष करेंगे हम

रायबरेली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के नसीराबाद में हाल में कथित रूप से मार दिये गये एक दलित युवक के परिवार से मिले और कहा कि जब तक इस परिवार को न्याय नहीं मिलेगा तब तक 'हम पीछे नहीं हटने वाले हैं।' राहुल गांधी ने दलित युवक के परिवार से मिलने के बाद पत्रकारों से कहा, 'यहां पर जो सभी लोग हैं वे न्याय मांग रहे हैं क्योंकि एक दलित युवा को जान से मारा गया है। पूरे परिवार को धमकाया गया है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।' उन्होंने आरोप लगाया कि यहां के पुलिस अधीक्षक 'मास्टरमाइंड' पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं बल्कि छोटे-छोटे लोगों को पकड़ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''मैं चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में हर वर्ग का आदर हो और सबको न्याय मिले... जब तक इस परिवार को न्याय नहीं मिलेगा तब तक हम पीछे नहीं हटने वाले हैं।'' विदित हो कि सलोन इलाके के नसीराबाद थाना क्षेत्र के भुवालपुर सिसनी गांव में 11 अगस्त को कुछ स्थानीय लोगों के साथ विवाद के बाद अनुज पासी (22) नामक एक दलित युवक की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। पुलिस के अनुसार इस सिलसिले में अब तक कम से कम छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

किरण चौधरी ने दिया इस्तीफा.......राज्यसभा जाने की तैयारी

रोहतक । हरियाणा की विधायक किरण चौधरी ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। अब किरण के भाजपा द्वारा राज्यसभा उपचुनाव में मैदान में उतारने की संभावना है। कांग्रेस छोड़ने के बाद करीब दो माह पहले वह भाजपा में शामिल हुई थीं। चौधरी ने कहा कि मैंने विधानसभा सदस्य (विधायक) के तौर पर अपना इस्तीफा दे दिया है। हरियाणा की पूर्व मंत्री और तोशाम से विधायक चौधरी जून में अपनी बेटी श्रुति और उनके समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुई थीं। नौ राज्यों में खाली पड़ी 12 राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर को चुनाव होगा। हरियाणा की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के रोहतक से लोकसभा में पहुंचने के बाद जरूरी हो गया था। इस सीट के लिए नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन बुधवार है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा हरियाणा की राज्यसभा सीट से चौधरी को मैदान में उतार सकती है। विधानसभा में भाजपा के संख्याबल को देखकर सीट जीतना तय है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी जबकि उम्मीदवार 27 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। चौधरी के इस्तीफे के बाद 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 41 सदस्य, कांग्रेस के 28 और जेजेपी के 10 सदस्य हैं। विधानसभा में पांच निर्दलीय, इनेलो और हरियाणा लोकहित पार्टी (एचएलपी) के एक-एक सदस्य हैं और चार सीटें खाली हैं। भाजपा को निर्दलीय विधायक नयन पाल रावत और एचएलपी विधायक गोपाल कांडा का भी समर्थन प्राप्त है।

तेजस्वी का नीतिश पर हमला, डबल इंजन पर पवार गोली नहीं सीधे बम चला रहे

पटना । बिहार में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं, इसी कारण आए दिन हत्या, रंगदारी और उगाही के अपराध को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला अब हाजीपुर जिले से आया है। जहां, रंगदारी नहीं देने पर 10-15 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने एक होटल में बमबाजी कर तोड़फोड़ भी की। जिससे वहां, मौजूद लोग दहशत में आ गए। यह घटना सीसीटीवी में कैद हुई। वहीं, इस घटना को लेकर आरजेडी नेता और बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाकर नीतिश सरकार पर हमला बोला है। होटल के संचालक ने बताया कि रंगदारी और उगाही को लेकर कुछ लोगों से उसका विवाद था। इन सभी लोगों का आपराधिक इतिहास रहा है। ये लोग 25 लाख की रंगदारी नहीं देने पर होटल बंद करने और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इसी बीच देर रात कार और बाइक पर सवार होकर 10-15 की संख्या में बदमाश आए और होटल पर बमबारी करना शुरू कर दिया। वहीं, मामले में पुलिस का कहना है कि होटल मालिक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करके 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना को लेकर बिहार में नेता प्रतिपक्ष यादव ने कहा कि बिहार में सत्ता संरक्षित अपराधियों के हौसले इतने बुलंद है कि रंगदारी नहीं देने पर अब सीधा बमबारी करते हैं।

सोनिया गांधी ने पॉलिएस्टर झंडों के इस्तेमाल पर मोदी सरकार को घेरा

तिरंगे के लिए खादी के इस्तेमाल पर दिया जोर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मशीन-निर्मित पॉलिएस्टर झंडों के इस्तेमाल के लिए मंगलवार को मोदी सरकार की आलोचना की और तिरंगे के एकमात्र कपड़े के रूप में खादी को अपनाए जाने का आह्वान किया। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि खादी को राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में उसका उचित स्थान मिलना चाहिए।

पॉलिएस्टर झंडों के इस्तेमाल पर मोदी सरकार को घेरा

उन्होंने अंग्रेजी दैनिक द हिंदू में लिखे एक लेख में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस से पहले के सप्ताह में हर घर तिरंगा अभियान के लिए नए सिरे से आह्वान किया जाना राष्ट्रीय ध्वज और देश के लिए इसके महत्व पर सामूहिक रूप से आत्मावोलकन करने का अवसर प्रदान करता है।

सोनिया गांधी ने कहा कि उनका (मोदी का) राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करना और एक ऐसे संगठन के प्रति निष्ठा रखना नैतिक रूप से दोहरापन है जो इस ध्वज के प्रति उदासीन रहा है। उन्होंने कहा कि मशीन-निर्मित, पॉलिएस्टर के झंडों को बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है, जिसमें कच्चा माल अक्सर चीन से आयात किया जाता है।

खादी के इस्तेमाल पर दिया जोर

सोनिया ने इस बात का उल्लेख किया कि भारतीय ध्वज संहिता के अनुसार, ऐतिहासिक रूप से राष्ट्रीय ध्वज को हाथ से काते गए और हाथ से बुने गए ऊन/कपास/रेशम/खादी के टुकड़े से बनाया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खादी एक मोटा, लेकिन मजबूत कपड़ा है जिसे महात्मा गांधी ने राष्ट्रीय आंदोलन के नेतृत्व में खुद काता और बुना था तथा इसका हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मृति में एक विशेष अर्थ है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख ने कहा, खादी हमारे गौरवशाली अतीत का प्रतीक है और भारतीय आधुनिकता और आर्थिक जीवन शक्ति का प्रतीक भी है।

खादी के झंडे को कर के दायरे में रखा- सोनिया गांधी

सोनिया गांधी ने कहा, 2022 में हमारी आजादी की 75वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर, सरकार ने मशीन निर्मित...पॉलिएस्टर...बंटिंग को शामिल करने के लिए ध्वज संहिता में संशोधन किया। साथ ही पॉलिएस्टर के झंडे को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से छूट दी गई है। खादी के झंडे को कर के दायरे में रखा गया है। उन्होंने अपने लेख में कहा कि सरकार बाजार को विनियमित करने में विफल रही है और अर्ध-मशीनीकृत चरखों से काती गई खादी को पारंपरिक हाथ से काती गई खादी के टैग के तहत धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा, यह हमारे खादी कातने वालों के लिए नुकसानदेह है, जिनकी कड़ी मेहनत के बावजूद मजदूरी प्रतिदिन 200-250 रुपए से अधिक नहीं है।

उदयपुर में देवराज की हत्या......सोची समझी साजिश

पिता ने आरोपी की फांसी की मांग की

उदयपुर । चाकूबाजी में घायल छात्र देवराज की मौत के बाद मंगलवार को उदयपुर में अंतिम संस्कार किया गया। पिता ने बेटे की चिता को मुखाग्नि दी। पुलिस की सख्ती के बावजूद भारी संख्या में लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। उदयपुर में सुरक्षा को देखकर पुलिसबल शहर में तैनात है। इंटरनेट मंगलवार रात 10 बजे तक बंद रहेगा। वहीं, स्कूल भी बंद हैं। उदयपुर के एसपी योगेश गोयल ने कहा कि हालात नियंत्रण में है। उधर, पिता ने बेटे के हत्यारे को फांसी की मांग की है। बेटे देवराज को खोने वाले पिता पप्पू मोची ने कहा, मुझे न्याय मिले। मेरे बेटे के हत्यारे को फांसी होनी चाहिए। मेरे बेटे के साथ जो हुआ, आगे किसी और के साथ न हो, ये सरकार तय करे। पिता का कहना है कि उनके बेटे का आरोपी छात्र के साथ कोई पुराना विवाद नहीं था। साथ ही उन्होंने मांग की कि कहा स्कूल का नाम उनके बेटे के नाम पर किया जाए। वहीं, मोची समाज के अध्यक्ष जयंती लाल ने आरोप लगाया कि देवराज की हत्या सुनियोजित थी। स्कूल ने जिस तरह देवराज को स्कूटी पर छात्रों के साथ अस्पताल भेजा, इससे साफ हो रहा है स्कूल की भी हत्या की साज़िश में मिलीभगत थी लाल ने कहा कि आरोपी को नाबालिग मानकर कार्रवाई के बजाय बालिग मानकर की जाए। पिता ने भी मांग की कि नाबालिग के बजाय बालिग मानकर कार्रवाई हो। उधर, एसपी गोयल ने कहा कि छात्र देवराज का अंतिम संस्कार शांतिपूर्ण करा दिया है। देवराज की हत्या में साजिश के आरोप पर उनका कहना है कि अभी जांच नहीं हुई है। जांच में जैसे ही तथ्य आते हैं कार्रवाई होगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)